राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 10 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-50 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरबीआई ने दी बड़ी सौगात-

घट जाएगी ईएमआई, एक बार फिर सस्ता हुआ घर और कार का लोन

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने एक बार फिर आम जनता को सौगात दी है। इसका सर्वाधिक फायदा उन लोगों को मिलेगा जिन्होंने घर या कार के लिए कर्ज लिया हुआ है। उनकी ईएमआई भी घट सकती है। इसके अलावा नया लोन लेने जा रहे लोगों को भी इसका फायदा होगा। ये सब इसलिए संभव हुआ है कि आरबीआई ने रेपो रेट को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। पहले ये 6.25 प्रतिशत थी। यानी, आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। वहीं आपकी ईएमआई भी घटेगी। नए वित्त वर्ष में आरबीआई की पहली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक कुछ ऐसे फैसले हुए हैं जिनका परिणाम राहत के तौर पर आम जनता को मिलेगा। बैठक में फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा आज बुधवार को दी। ये मीटिंग 7 अप्रैल को शुरू हुई थी।

इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी मीटिंग में आरबीआई ने ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया था। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की ओर से ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। रेपो रेट घटने के बाद बैंक भी हाउसिंग और ऑटो जैसे लोन्स पर अपनी ब्याज दरें कम कर सकते हैं। वहीं ब्याज दरें कम होंगी तो हाउसिंग डिमांड बढ़ेगी। ज्यादा लोग रियल एस्टेट में निवेश कर सकेंगे। इससे रियल एस्टेट सेक्टर को बूस्ट मिलेगा।

रेपो रेट से लोन कैसे सस्ता होता है?

आरबीआई जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों के लोन सस्ता मिलता है, तो वो अकसर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं। यानी, बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं।

आरबीआई का महंगाई पर अनुमान

आरबीआई के अनुमान की बात करें तो मौजूदा वित्त वर्ष में महंगाई 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है। वैसे चौथी तिमाही के महंगाई में 10 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया गया है जिसे पिछले के 4.4 फीसदी से बढ़ाकर 4.5 फीसदी कर दिया है। वहीं वित्त वर्ष 2026 में महंगाई 4.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पहली तिमाही में 4.6 फीसदी रह सकती है। इससे पहले इसमें 4.5 फीसदी का रहने अनुमान जताया जा रहा था। दूसरी तिमाही में 4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 3.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया जा रहा है।

जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

फरवरी महीने की मीटिंग में

आरबीआई गवर्नर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए देश की ग्रोथ का अनुमान बढ़ाते हुए 7 फीसदी से कम यानी 6.75 फीसदी कर दिया था। जानकारों की मानें तो टैरिफ वॉर के बीच इस अनुमान को और भी कम किया जा सकता है। उन्होंने पहली तिमाही के लिए ग्रोथ रेट का अनुमान 6.7 फीसदी, दूसरी तिमाही के लिए 7 फीसदी तीसरी और चौथी तिमाही के लिए 6.5 फीसदी का अनुमान रखा था।

कांग्रेस अधिवेशन में राहुल गांधी की हुंकार, मैं देश के अंदर जातीय जनगणना करके रहूंगा

अहमदाबाद।

गुजरात के अहमदाबाद में दो दिवसीय कांग्रेस अधिवेशन का बुधवार को दूसरा दिन है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को अधिवेशन को संबोधित कर सबसे पहले महात्मा गांधी और सरदार पटेल को याद किया। उन्होंने कहा, 100 साल पहले महात्मा गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।

150 साल पहले देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल का जन्म हुआ था। गांधीजी, सरदार पटेल ये कांग्रेस पार्टी की नींव हैं। अभी अजय लल्लू ने कहा कि मैं पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों, गरीबों के लिए काम कर रहा हूं।

राहुल गांधी ने कहा, मैंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी से एक सवाल पूछा था। मैंने पूछा कि दादी मरने के बाद आपके बारे में लोगों को क्या कहना चाहिए। इंदिरा गांधी ने जवाब दिया कि राहुल, मैं अपना काम करती हूं। मरने के बाद लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, क्या न सोचें मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपने काम में दिलचस्पी रखती हूं।

उन्होंने कहा, तेलंगाना में हमारी सरकार ने एक क्रांतिकारी कदम उठाया। जातीय जनगणना को करने का फैसला किया। इस कदम से कुछ महीने पहले मैंने संसद में भाषण दिया था।

मैंने पीएम मोदी के सामने कहा कि आप देश में जातीय जनगणना कराए। देश को मालूम होना चाहिए कि देश में दलित, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा, अति दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, गरीब सामान्य वर्ग के कितने लोग हैं। इस मौके पर कांग्रेस नेता ने कहा, मैं सिर्फ जातीय जनगणना के पीछे नहीं हूं। जातीय जनगणना एक कदम है।

मुझे यह जानना हैं कि इस देश में किसकी कितनी भागीदारी है। तब मैंने कहा था कि देश का एक्स-रे होना चाहिए। पता होना चाहिए कि जो हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग के लोग धूप में काम करते हैं, मजदूरी करते हैं क्या सममुच में ये देश उनकी इज्जत करता है, क्या सममुच में उन्हें जगह मिलती है।

पहला कॉलम

चीन के द्वारा बनाए जा रहे वाटर बम को लेकर चिंतित भाजपा लोकसभा सदस्य

पानी छोड़ने पर जलप्रलय लाएगा ये बांध

गुवाहाटी। अरुणाचल प्रदेश से भाजपा लोकसभा सदस्य तापिर गाओ ने दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने की चीन की योजना पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह बांध वाटर बम के समान होगा, जो पूर्वोत्तर भारत और बांग्लादेश जैसे निचले क्षेत्रों में जल प्रलय ला सकता है। एक कार्यक्रम में गाओ ने कहा, चीन ने एक बांध बनाने का फैसला किया है, जिसकी क्षमता 60,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की होगी। यह बांध नहीं, एक वाटर बम होगा, जिसका इस्तेमाल भारत और अन्य निचले तटवर्ती देशों के खिलाफ होगा। गाओ ने कहा, अगर चीन भविष्य में बांध से पानी छोड़ने का फैसला करता है, तब अरुणाचल प्रदेश, असम, बांग्लादेश और दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य देश तबाह हो जाएंगे। भारत सरकार चीन से कूटनीतिक रूप से इस मुद्दे पर बात करने की कोशिश कर रही है, ताकि मामले को सुलझाया जा सके।

जून 2000 में आई विनाशकारी बाढ़

बीजेपी सांसद गाओ ने दावा किया कि जून 2000 में आई विनाशकारी बाढ़ इसतरह के ही एक वाटर बम के कारण आई थी, जिसमें सियांग नदी पर बने 10 से अधिक पुल बह गए थे, जिसे अरुणाचल प्रदेश में यारलुंग त्सांगपो के नाम से जाना जाता है, जिसे असम में प्रवेश करने के बाद ब्रह्मपुत्र कहा जाता है।

किराए में रहने वाले साधारण युवक को 314 करोड़ का आयकर नोटिस

बैतूल । बैतूल जिले के मुलताई के ड्रीम लेंड सिटी मैं रहने वाले चंद्रशेखर पंडित राव को, 314 करोड रुपए आयकर में जमा करने का नोटिस मिला है। 4 साल पहले इस युवक ने श्रीनाथ मंगलम बैंक नागपुर में बैंक खाता खुलवाया था। पिछले साल दिसंबर में इसे आयकर का नोटिस मिला था। फिर से आयकर विभाग ने दूसरा नोटिस भेजा है। आयकर विभाग ने जिस युवक को नोटिस भेजा है। वह ठेका लेकर मकान बनाने का काम करता है। उसके खाते से करोड़ों रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ है। इसकी जानकारी उसे नहीं है। बैंक खाते से मोबाइल का नंबर लिंक नहीं है। आयकर विभाग ने अब मुलताई नगर पालिका को पत्र भेजकर चंद्रशेखर की संपत्ति के संबंध में जानकारी मांगी है। इस युवक के पास कोई संपत्ति भी नहीं है। नागपुर के बैंक खाते से बिना उसकी जानकारी के करोड़ों रुपए के ट्रांजैक्शन हुए हैं। आयकर विभाग नोटिस भेज कर वसूली करने की बात कर रहा है।

उधमपुर में मुठभेड़, आतंकियों के छिपे होने की आशंका

उधमपुर।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। रामनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले जोफर गांव में दो से ज्यादा आतंकियों के छिपे होने की सूचना है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम तलाशी अभियान चला रही थी, इसी दौरान टीम पर फायरिंग हो गई और मुठभेड़ शुरू हो गई। जानकारी अनुसार उधमपुर जिले के रामनगर क्षेत्र के अंतर्गत जोफर गांव में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। प्रारंभिक तौर पर बताया जा रहा है कि इलाके में दो से अधिक आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम द्वारा चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान यह मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्हें इनपुट मिला था कि कुछ संदिग्ध आतंकवादी गतिविधि जोफर गांव के आसपास देखी गई है।

विश्व नवकार महामंत्र दिवसः पीएम मोदी ने किया नवकार महामंत्र का जाप,

100 से अधिक देशों के प्रतिनिधी बने साक्षी

नई दिल्ली।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस के पावन अवसर पर आज दिल्ली के विज्ञान भवन में एक भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) अहमदाबाद और जैन समाज द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर श्वेत वस्त्र धारण कर नवकार महामंत्र का जाप किया और उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत किया। इस वैश्विक आयोजन में 108 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर एक साथ सामूहिक मंत्र जाप किया, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक क्षण बन गया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर देशवासियों से नवकार महामंत्र का जाप करने की अपील करते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा- आइए, सब मिलकर प्रातः 827 बजे नवकार महामंत्र का जाप करें। प्रत्येक आवाज शांति, शक्ति और सद्भाव लाए।

गुजरात में भी हुआ विशाल आयोजन

दिल्ली के अलावा, अहमदाबाद स्थित जीएमडीसी मैदान में भी विशाल आयोजन किया गया, जहां

हजारों लोगों ने नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया। देशभर के जैन समुदाय ने इस दिन को आस्था, ध्यान और आत्म-संयम के रूप में मनाया।

यह आयोजन सिर्फ धार्मिक नहीं बल्कि मानवीय और आध्यात्मिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने वाला रहा। नवकार महामंत्र, जैन धर्म का सबसे पूजनीय और सार्वभौमिक मंत्र है, जो अहिंसा, विनम्रता, आत्म-शुद्धि और नैतिक चेतना के सिद्धांतों को सशक्त करता है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी दी शुभकामनाएं

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी एक्स पर नवकार महामंत्र को आत्मिक शांति और संतुलन का माध्यम बताते हुए इसकी महत्ता को रेखांकित किया।

वक्फ कानून' के मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा

जम्मू ।

वक्फ कानून' के मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बुधवार को भी हंगामा हुआ। इस बीच, जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार ने भाजपा पर 'वक्फ कानून' के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा वक्फ कानूने के मुद्दे के जरिए राजनीति कर रही है। डिप्टी सीएम कुमार ने कहा, बदकिस्मती है कि भाजपा के लोग सदन में सिर्फ हंगामा खड़ा करते हैं। मैं नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा से पूछता हूं कि जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य के दौरे पर आए थे, तब क्या उन्होंने गृह मंत्री से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले लोगों की सैलरी बढ़ाने की बात की? बीते 10 साल में लोगों से संबंधित मुद्दों पर एक बार भी बात नहीं की गई। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उन्होंने (भाजपा) सिर्फ तमाशा खड़ा करने की कोशिश की, उन्हें जनता से कोई प्यार नहीं है। उन्होंने वक्फ कानून पर कहा, वक्फ कानून पर स्पीकर बयान दे चुके हैं। भाजपा पूरे देश को गुमराह करने की बात कर रही है। चाहे वह हाउस के अंदर हो या फिर हाउस के बाहर, भाजपा ने हमेशा जम्मू-कश्मीर के किसी भी मुद्दे की बात नहीं की है। अब वे इस मुद्दे को लाकर पूरे मुल्क में राजनीति करना चाहती हैं। वहीं, वक्फ कानून पर नेता प्रतिपक्ष शर्मा ने कहा, मेरा मानना है कि स्पीकर ने वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा को खारिज करके संविधान को बरकरार रखा है। उन्होंने नियमों और विनियमों का पालन किया है और मानदंडों के आधार पर अपना फैसला सुनाया है।

पानी संकट पर भजनलाल सरकार पर बरस पड़ी पूर्व सीएम राजे, अफसरों की क्लास लगा दी

अफसरों से 42 हजार करोड़ का हिसाब मांगा

जयपुर।

राजस्थान के झालावाड़ जिले के कई इलाकों में पानी संकट को लेकर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने अफसरों की क्लास लगा दी है। उन्होंने तत्काल व्यवस्थाएं सुधारने के आदेश अधिकारियों को दिए। रायपुर कस्बे में राजे से लोगों ने पानी की किल्लत की शिकायत की, इस पर उन्होंने सख्त रुख दिखाकर अफसरों को फटकार लगा दी।

पूर्व सीएम राजे ने देर रात दो पोस्ट किए। उन्होंने अफसरों के कामकाज की शैली पर सवाल उठाए। राजे ने लिखा कि, क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ आप अफसरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है। अधिकारी तृप्त हैं। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुंचे। अधिकारी सो रहे हैं, लोग रो रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी।

राजे की शिकायत पर नेता प्रतिपक्ष ने भी भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता जूली ने पोस्ट किया, जब पूर्व सीएम मजबूर, तब आम आदमी की क्या हालत होगी।

दरअसल पूर्व मुख्यमंत्री राजे जिले के दौरे पर रायपुर पहुंचीं। पेयजल संकट की शिकायत मिलने पर उन्होंने जलजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अफसरों को कड़ी फटकार लगाकर सवाल किया- क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ आप अफसरों को ही लगती है?

इतना ही नहीं पूर्व सीएम राजे ने पोस्ट में लिखा, कि प्रधानमंत्री ने 42 हजार करोड़ जल जीवन मिशन में दिए हैं। पाई-पाई का हिसाब दो कि झालावाड़ के हिस्से की राशि का आपने क्या किया? पेयजल संकट निवारण के लिए हमारी सरकार पैसा दे रही है, लेकिन अफसर योजनाओं की सही क्रियान्विति नहीं कर रहे। इसलिए राजस्थान के लोग प्यास से व्याकुल हैं। उन्होंने चेतावनी देकर कहा कि यह अप्रैल का हाल है, जून-जुलाई में क्या होगा?

इस पूरे मामले में फटकार के बाद अब अधिकारी ने कहा कि जिले में बेहतर काम हुआ है। फिर भी कहीं कमी रह गई है, तब दूर कर रहे हैं। काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। परवन अकावद के टेंडर नहीं हुए हैं।

जब विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा तो आम लोगों को कैसे बोलने देंगे

गुजरात अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

गांधीनगर।

गुजरात में कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन शुरु हो गया इसमें बुधवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार पिछले 11 सालों से सत्ता में है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए कि विपक्ष के किसी भी नेता को सदन में अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जाता है। खड़गे ने कहा कि यहां तक कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जाता है। ऐसे में आप अंदाजा लगा सकते हैं कि जब लोग राहुल गांधी जैसे नेता को बोलने नहीं दे रहे हैं, तो भला इस देश के आम लोगों को कैसे बोलने दिया जाएगा? यह अपने आप में बड़ा सवाल है, जिस पर हम सभी को एकजुट होकर विवेचना करनी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार का बोलने पर भी पहरा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मौजूदा सरकार अगर विपक्ष की अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार कर रही है, तो यह बात बड़ी आसानी से समझी जा सकती है कि यह सरकार किस मानसिकता के साथ काम कर रही है। यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि इस सरकार की यह मानसिकता इस मुल्क के आवाम के लिए कतई ठीक नहीं होगी। खड़गे ने अधिवेशन को लेकर उठाए जा रहे सवालों के उत्तर दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 140 साल के इतिहास में 86 अधिवेशन हुए। इनमें 6 अधिवेशन गुजरात की धरती पर हुए, जिनमें 3 अहमदाबाद में हुए। अहमदाबाद हमारे लिए तीर्थ स्थल जैसा है। यहां साबरमती आश्रम है, सरदार पटेल राष्ट्रीय स्मारक है। यह अधिवेशन महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी है और सरदार पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित है।

बढ़ेगी नौसेना की ताकत, फ्रांस से 26 मरीन राफेल फाइटर जेट की खरीदी को मंजूरी

64 हजार करोड़ रुपए में तय हुआ सौदा

नई दिल्ली ।

हिंद महासागर में सुरक्षा अभेद करने के लक्ष्य से मोदी सरकार ने फ्रांस से 26 मरीन राफेल फाइटर जेट की खरीदी को मंजूरी दे दी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) ने 9 अप्रैल को डील पर मुहर लगाई। भारत को 64 हजार करोड़ रुपए में 26 मरीन फाइटर मिलने हैं।

इसके बाद फ्रांस 22 सिंगल-सीटर और 4 ट्विन-सीटर जेट भारतीय नौसेना को सौंपेगा। इन्हें हिंद महासागर में चीन से मुकाबले के लिए आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा।

दोनों देशों के बीच 26 राफेल मरीन जेट की खरीद को लेकर कई महीनों से चर्चा जारी थी। भारत नौसेना के लिए राफेल मरीन की डील उसी बेस दाम में करना चाहता था, जो 2016 में वायुसेना के लिए 36 विमान खरीदते समय रखी थी। इस डील की जानकारी सबसे पहले पीएम मोदी की 2023 की फ्रांस यात्रा के दौरान सामने आई थी। इसके बाद रक्षा मंत्रालय ने लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था, इस फ्रांस ने दिसंबर 2023 में स्वीकार किया। इससे पहले सितंबर 2016 में 59 हजार करोड़ रुपए की डील में भारत वायुसेना के लिए फ्रांस से 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीद चुका है। 26 राफेल-एम फाइटर जेट खरीदने की डील पर पहले दौर की चर्चा जून 2024 में शुरू हुई थी। तब फ्रांस सरकार और दसॉ कंपनी के अधिकारियों ने रक्षा मंत्रालय की कॉन्ट्रैक्ट नेगोशिएशन कमेटी से चर्चा की थी। डील फाइनल होने पर फ्रांस राफेल-एम जेट के साथ हथियार, सिमुलेटर, क्रू के लिए ट्रेनिंग और लॉजिस्टिक सपोर्ट मुहैया कराएगा। इन हथियारों में अस्त्र एयर-टु-एयर मिसाइल, एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेट करने के लिए जेट में इंडियन स्पेसिफिक इन्हैंस्ड लैंडिंग इक्विपमेंट्स और जरूरी इक्विपमेंट्स शामिल किए हैं। फ्रांस ने ट्रायल्स के दौरान इंडियन एयरक्राफ्ट कैरियर्स से राफेल जेट की लैंडिंग और

टेक-ऑफ स्किल का प्रदर्शन किया है, लेकिन रियल टाइम ऑपरेशन के लिए कुछ और इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जैनियों के ही नहीं जन- जन के हैं महावीर

(महावीर जयंती पर विशेष)

(लेखक/-मुस्ताअली बोहरा)

जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी के स्वप्न देखे जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुरुषोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूर्वाभास था।

जिओ और जीने दो का संदेश देने वाले भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के ही नहीं हैं बल्कि जन-जन के हैं। भगवान महावीर की जयंती जन्म कल्याणक पर्व के रूप में मनाई जाती है। महावीर जन्म कल्याणक हर वर्ष चैत्र माह के 13 वें दिन मनाई जाती है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रवर्तक और जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्वजवाहकों में हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जात-पात का भेदभाव, अन्य अंधविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म दिखावे की वस्तु नहीं है। धर्म कहीं बाहर नहीं बल्कि अन्तरात्मा में होता है।

हालांकि, महावीर स्वामी के जीवन को लेकर श्वेताम्बर और दिगम्बर जैनियों में कई तरह के अलग-अलग तथ्य हैं। महावीर या वर्धमान जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभनाथ की परम्परा में 24वें जैन तीर्थंकर थे। वे अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। बचपन में महावीर का नाम वर्धमान था। बाल्यकाल से ही यह साहसी, तेजस्वी, ज्ञान पिपासु और अत्यंत बलशाली होने के कारण महावीर कहलाए। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया था, जिस कारण इन्हें जीतेंद्र भी कहा जाता है।

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज सिद्धार्थ थे। माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवि वंश के राजा चेटक की बहिन थी। महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा थे। भगवान महावीर कई नामों से जाने गए उनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति, श्रमण आदि हैं। महावीर स्वामी के भाई नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना थी। बचपन से ही महावीर तेजस्वी और साहसी थे। शिक्षा पूरी होने के बाद इनके माता-पिता ने इनका विवाह राजकुमारी यशोदा के साथ कर दिया गया था। भगवान महावीर ने अपनी कठिन तपस्या से अपने जीवन को अनूठा बनाया। जन्म के बाद महावीर स्वामी का नाम वर्धमान रखा। कहा जाता है कि महावीर स्वामी अंतर्मुखी स्वभाव के थे, शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी, परंतु माता-पिता की इच्छा के कारण उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ विवाह किया, कहीं-कहीं लिखा हुआ यह भी मिलता है कि उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया था। कुछ विद्वानों के अनुसार यशोदा कलिंग नरेश की पुत्री थीं।

जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी के स्वप्न देखे जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुरुषोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूर्वाभास था। अत सबने विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये तथा बालक को विभिन्न नामों से विभूषित किया। इस बालक का नाम सौधर्मेन्द्र ने वर्धमान रखा तो ऋद्धिधारी मुनियों ने सन्मति रखा। संगमदेव ने उसके अपरिमित साहस की परीक्षा लेकर उसे महावीर नाम से अभिहित किया।

महावीर स्वामी के माता-पिता की मृत्यु के पश्चात उनके मन में वैराग्य लेने की इच्छा जागृत हुई परंतु जब उन्होंने इसके लिए अपने बड़े भाई से आज्ञा मांगी तो भाई ने कुछ समय रुकने का आग्रह किया। तब महावीर ने अपने भाई की आज्ञा का मान रखते हुए 2 वर्ष पश्चात 30 वर्ष की आयु में वैराग्य लिया। इतनी कम आयु में घर का त्याग कर 'केशलोच' के पश्चात जंगल में रहने लगे। महावीर स्वामी के शरीर का वर्ण सुवर्ण और चिह्न सिंह था। इनके यक्ष का नाम ब्रह्मशांति और यक्षिणी का नाम सिद्धायिका देवी था। जैन धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान महावीर के गणधरों की कुल संख्या 11 थी, जिनमें गौतम स्वामी इनके प्रथम गणधर थे। महावीर ने मार्गशीर्ष दशमी को कुंडलपुर में दीक्षा की प्राप्ति की और दीक्षा प्राप्ति के पश्चात् 2 दिन बाद खीर से इन्होंने प्रथम पारणा किया। दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ल दशमी को ऋजुबालुका नदी के किनारे साल वृक्ष के नीचे भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्हें 'केवलि' नाम से जाना गया तथा उनके उपदेश चारों और फैलने लगे, बड़े-बड़े राजा महावीर स्वा मी के अनुयायी बनें। उनमें से बिम्बिसार भी एक थे। 30 वर्ष तक महावीर स्वामी ने त्याग, प्रेम और अहिंसा का संदेश फैलाया और बाद में वे जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर बनें और विश्व के श्रेष्ठ तीर्थंकरों में शुमार हुए। अपनी सभी इंन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने की वजह से वे जितेन्द्रिय या 'जिन' कहलाए। जिन से ही जैन धर्म को अपना नाम मिला। जैन धर्म के गुरूओं के अनुसार भगवान महावीर के कुल 11 गणधर थे, जिनमें गौतम स्वामी पहले गणधर थे। तीस वर्ष की आयु में महावीर स्वामी ने पूर्ण संयम के साथ श्रमण बन गए। दीक्षा लेने के बाद महावीर स्वामी ने बहुत कठिन तपस्या की और विभिन्न कठिन उपसर्गों को समता भाव से ग्रहण किया। साधना के बारहवें वर्ष में महावीर स्वामी जी मेढ़िया ग्राम से कोशम्बी आए तब उन्होंने पौष कृष्णा प्रतिपदा के दिन एक बहुत ही कठिन अभिग्रह धारण किया। इसके पश्चात

साढ़े बारह वर्ष की कठिन तपस्या और साधना के बाद ऋजुबालिका नदी के किनारे महावीर स्वामी जी शाल वृक्ष के नीचे वैशाख शुक्ल दशमी के दिन केवल ज्ञान-केवल दर्शन की उपलब्धि हुई। तभी से वे महावीर या जिन कहलाए। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा। जैन धर्म में अहिंसा तथा कर्मों की पवित्रता पर विशेष बल दिया जाता है। भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह की साक्षात मूर्ति थे। वे सभी के साथ सामान भाव रखते थे और किसी को कोई भी दु:ख देना नहीं चाहते थे।

महावीर को अर्हत, जिन, निर्ग्रथ, महावीर, वीर, अतिवीर और सन्मती के नाम से भी जाना जाता है। वे महावीर स्वामी ही थे, जिनके कारण 23 वें तीर्थंकर पाश्र्वनाथ द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों ने 'जैन धर्म' का रूप धारण किया। भगवान महावीर के कार्यकाल को ईराक के जराथ्रुस्ट, फिलिस्तीन के जिरेमिया, चीन के कन्फ्यूसियस तथा लाओत्से और युनान के पाइथोगोरस, प्लेटो और सुकरात के समकालीन माना जाता है। महावीर स्वामी के उपदेशों से प्रभावित होकर बिम्बसार और चंद्रगुप्त मौर्य सहित अन्य राजा भी जैन धर्म के अनुयायी बने।

संपादकीय

महंगे ईंधन की मार

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकौले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय-समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हों, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन-यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक शृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ-हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर-सवेर सरकार पेट्रोल-डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे-बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं। हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई शृंखला पैदा हो जाती है। माल-भाड़े में वृद्धि से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो जाती है। डीजल के दामों से वृद्धि से खेती की लागत बढ़ती है, जिससे अनाज की महंगाई बढ़ती है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र भी इस वृद्धि से प्रभावित होता है। लेकिन लगता है कि महंगाई की तुलना में टैरिफ प्रभावों को संतुलित करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर कोई कारगर रणनीति बनानी ही होगी। देश का विपक्ष भी बार-बार पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि की तार्किकता को लेकर सवाल उठाता रहा है।

सदैव प्रासंगिक रहेगी भगवान महावीर की अमृतवाणी

(लेखक - योगेश कुमार गोयल/ईएमएस)

महावीर जयंती (10 अप्रैल) पर विशेष

'अहिंसा परमो धर्म:' का उद्घोष करने वाले भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक और आवश्यक बन गया है। आधुनिक युग में जब मानव अपने स्वार्थ और लोभ के वशीभूत होकर किसी भी अनुचित कार्य को करने में संकोच नहीं करता, यहां तक कि अपने लाभ के लिए हिंसा तक को जायज ठहराने लगा है, तब महावीर स्वामी के सिद्धांत हमें नैतिकता, सहिष्णुता और करुणा की ओर लौटने का आह्वान करते हैं। वर्तमान सामाजिक, मानसिक, नैतिक और पर्यावरणीय संकटों से घिरे मानव समाज के लिए भगवान महावीर के विचार और दर्शन समाधान का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने जीवन भर मानवता को ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जो न केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं बल्कि व्यावहारिक जीवन में भी शांति, संयम और संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। उनके सिद्धांतों को यदि हम अपने आचरण और व्यवहार में उतार लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन को सार्थकता मिलती है, बल्कि समाज में भी सद्भाव, अहिंसा और करुणा की भावना को बढ़ावा मिलता है। महावीर स्वामी का दर्शन इस बात की शिक्षा देता है कि हर जीव मात्र के प्रति सम्मान और समता की भावना रखी जाए क्योंकि सभी प्राणी एक समान पीड़ा का अनुभव करते हैं और मुक्ति की आकांक्षा रखते हैं। आज के हिंसा और तनाव से भरे समय में भगवान महावीर का यह जीवन दर्शन मानवता को स्थायी शांति, आत्मशुद्धि और परस्पर सौहार्द की राह दिखाता है। डालते हैं भगवान महावीर के ऐसे ही अमृत वचनों पर नजर-

- संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अत: हिंसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए।
- जिस प्रकार अणु से छोटी कोई वस्तु नहीं और आकाश से बड़ा कोई पदार्थ नहीं, उसी प्रकार अहिंसा के समान संसार में कोई महान् व्रत नहीं।
- जो मनुष्य स्वयं प्राणियों की हिंसा करता है या दूसरों से हिंसा करवाता है अथवा हिंसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए वैर बढ़ाता है।
- धर्म उत्कृष्ट मंगल है और अहिंसा, तप व संयम उसके प्रमुख लक्षण हैं। जिन व्यक्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं।
- मानव व पशुओं के समान पेड़-पौधों, अग्नि, वायु में भी आत्मा वास करती है और पेड़ पौधों में भी मनुष्य के समान दुख अनुभव करने की शक्ति होती है।
- संसार में प्रत्येक जीव अवध्य है, इसलिए आवश्यक बताकर की जाने वाली हिंसा भी हिंसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है, वह अहिंसा कभी नहीं हो सकती।
- जिस जन्म में कोई भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कर्मानुसार ही देव, मनुष्य, नारक व पशु-पक्षी की योनि में भ्रमण करेगा।
- कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते बल्कि आत्मा कर्मों को आकृष्ट करती है।
- जिस मनुष्य का मन सदैव अहिंसा, संयम, तप और धर्म में लगा रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं।
- धर्म का स्थान आत्मा की आंतरिक पवित्रता से है, बाह्य साधन धर्म के एकान्त साधक व बाधक नहीं हो सकते।
- संसार का प्रत्येक प्राणी धर्म का अधिकारी है।
- क्रोध प्रेम का नाश करता है, मान विषय का, माया मित्रता का नाश करती है और लालच सभी गुणों का। जो व्यक्ति अपना कल्याण चाहता है, उसे पाप बढ़ाने वाले चार दोषों क्रोध, मान, माया और लालच का त्याग कर देना चाहिए।
- रूग्णजनों की सेवा-सुश्रुषा करने का कार्य प्रभु की परिचर्या से भी बढ़कर है।
- वासना, विकार व कर्मजाल को काटकर नारी व पुरूष दोनों समान रूप से मुक्ति पाने के अधिकारी हैं।
- जब तक कर्म बंधन है, तब तक संसार मिट नहीं सकता। गति भ्रमण ही संसार है।
- छोटे-बड़े किसी भी प्राणी की हिंसा न करना, बिना दी गई वस्तु स्वयं न लेना, विश्वासघाती असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्पुरूषों का धर्म है।
- ज्ञानी होने का यही एक सार है कि वह किसी भी प्राणी की हिंसा न करे। यही अहिंसा का विज्ञान है।
- जो लोग कष्ट में अपने धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिंसा की साधना नहीं कर सकते। अहिंसक व्यक्ति तो अपने से शत्रुता रखने वालों को भी अपना प्रिय मानता है।
- संसार में रहने वाले चल और स्थावर जीवों पर मन, वचन एवं शरीर से किसी भी तरह के दंड का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- ब्राह्मण कुल में पैदा होने के बाद यदि कर्म श्रेष्ठ हैं, वही व्यक्ति ब्राह्मण है किन्तु ब्राह्मण कुल में जन्म लेने के बाद भी यदि वह हिंसाजन्य कार्य करता है तो वह ब्राह्मण नहीं है जबकि नीच कुल में पैदा होने वाला व्यक्ति अगर सुआचरण, सुविचार एवं सुकृत्य करता है तो वह बाह्मण है।
- प्रत्येक प्राणी एक जैसी पीड़ा का अनुभव करता है और हर प्राणी का एकमात्र लक्ष्य मुक्ति ही है।
- आत्मा शरीर से भिन्न है, आत्मा चेतन है, आत्मा नित्य है, आत्मा अविनाशी है। आत्मा शाश्वत है। वह कर्मानुसार भिन्न-भिन्न योनियों में जन्म लेती है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफ़ान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है।

इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

विचार मंथन

राज्यपालों द्वारा संवैधानिक शक्ति का दुरुपयोग, कार्यवाही क्यों नहीं

(लेखक - सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला दिया है, जिसमें राज्यपालों के अधिकारों की संवैधानिक सीमा पर विवेचना की है। सुप्रीम कोर्ट के न्याय मूर्ति जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की खंडपीठ ने तमिलनाडु की अपील पर फैसला सुनाते हुए कहा, राज्यपाल के पास संविधान का कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को रोक कर रखा गया था। उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल आर एन रवि को कड़ी फटकार लगाई है। संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत शक्तियों का उपयोग करते हुए उसी तिथि से विधेयक पारित करने के आदेश दिए गए हैं। ये विधेयक राज्यपाल के पास 2020 से 2023 के बीच में भेजे गए थे, जिन पर स्वीकृति नहीं दी गई थी। अधिकतर विधेयक राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों की नियुक्तियों से संबंधित थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल की भूमिका एक बुद्धिमान संवैधानिक प्रमुख के रूप में की थी। राज्यपाल को राज्य सरकार की सलाह पर काम करने की जिम्मेदारी दी गई है। राज्यपाल के पास विधेयक रोकने का कोई वीटो अधिकार नहीं है। राज्यपाल का फैसला गैरकानूनी और मनमाना है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में राज्यपाल की भूमिका विधेयक के संबंध में तय कर दी है। राज्यपाल को बिल पर आपत्ति है तो राज्यपाल आपत्ति के साथ एक माह के अंदर राष्ट्रपति को भेजें। राज्यपाल किसी बिल पर सहमत नहीं है तो 3 माह के अंदर विधानसभा को वापस लौटाएं। विधानसभा से दूसरी बार बिल पारित हो जाता है तो ऐसी स्थिति में राज्यपाल को मंजूरी देनी ही होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया है, कि राज्यपाल का पद न्यायिक समीक्षा के अंतर्गत है। राज्यपाल को विधानसभा और सरकार की मंत्री परिषद की सलाह पर काम करने की संवैधानिक बाध्यता है। जस्टिस पारदीवाला ने अपने आदेश में राज्यपाल की भूमिका को मार्गदर्शी के रूप में बताया है। संविधान राज्यपाल को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में काम करने की अनुमति नहीं देता है। उन्होंने अपने आदेश में यह भी लिखा, संविधान कितना भी अच्छा हो यदि इसे लागू करने वाले अच्छे नहीं हैं तो यह बड़ा ही गलत साबित होगा। पिछले कुछ वर्षों में राज्यपालों की भूमिका को लेकर लगातार विवाद की स्थिति बनी रही। महाराष्ट्र में जिस तरह से राज्यपाल ने निर्वाचित सरकार को गिराने में अहम भूमिका का निर्वाह किया था सुप्रीम कोर्ट ने उसे असंवैधानिक माना था। उसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट का आधा अधूरा आदेश होने से ना तो वहां की सरकार बहाल हुई ना ही तत्कालीन राज्यपाल पर कोई कार्यवाही की गई। उसके बाद से पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली इत्यादि राज्यों में जहां केंद्र सरकार से इतर विपक्षी दलों की सरकारें थीं वहां के राज्यपालों ने वहां की सरकारों को काम करने से एक तरह से रोकने का काम किया। केंद्र की सरकार के इशारे पर काम करते हुए केंद्र के प्रतिनिधि बनकर राज्यपाल राजनीतिक उपकरण बन गए थे। वहीं भ्रष्टाचार के भी आरोप राज्यपालों पर लगने लगे। राज्यों के विश्वविद्यालय में कुलपति और प्रोफेसर की नियुक्ति में भारी लेनदेन के आरोप लगने लगे थे। पंजाब के सात विधेयक, तमिलनाडु के 10 विधेयक, पश्चिम बंगाल के 23 विधेयक और दिल्ली सरकार के कई विधेयक राज्यपालों ने रोक रखे थे। दिल्ली सरकार में राज्यपाल की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जब निर्णय दिया तो केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ही बदल दिया था। पिछले वर्षों में सुप्रीम कोर्ट में विभिन्न याचिकाओं में प्रमाणित हो चुका है, कि राज्यपालों ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है, लेकिन किसी भी राज्यपाल के खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग करने पर किसी भी राज्यपाल के ऊपर पद से हटने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की है। महाराष्ट्र का मामला तो बिल्कुल अनूठा था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि सरकार को गलत तरीके से गिराया गया है।

राज्यपाल के फैसले को गलत भी माना था। फिर भी कोई कार्यवाही नहीं होने से राज्यपाल का पद भी पिछले कुछ वर्षों में बदनामी के केंद्र में आ गया है। इन सारे मामलों में केंद्र सरकार की चुप्पी तथा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय पर सुनवाई नहीं करने और स्पष्ट आदेश जारी नहीं करने और प्रमाणित हो जाने के बाद भी कि राज्यपालों द्वारा अपने संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया गया है, शिक्षण संस्थानों के कामकाज में भ्रष्टाचार किया गया है, उन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई कार्यवाही नहीं करना चिंता का विषय है। भारतीय संविधान में न्यायपालिका को सर्वोच्चता पर रखते हुए असीमित अधिकार दिए गए हैं।

विधायिका, कार्यपालिका द्वारा बनाए गए किसी भी कानून, नियम अथवा कार्यवाही की समीक्षा करने का अधिकार न्यायपालिका के पास है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1135 अंक चढ़कर बंद हुआ सेंसेक्स

जापान का बाजार 6 प्रतिशत चढ़ा

मुंबई। सोमवार की 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही। सेंसेक्स 1135 अंक या 1.55 प्रतिशत चढ़कर 74,273 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 374 अंक या 1.69 प्रतिशत की तेजी रही, ये 22,535 के स्तर पर बंद हुआ है। कारोबार में मीडिया, रियल्टी और सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी दिखी। निफ्टी मीडिया इंडेक्स 4.72 प्रतिशत चढ़ा। वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक और रियल्टी इंडेक्स करीब 2.50 प्रतिशत चढ़े। एफएमसीजी, आईटी और ऑटो में करीब 2 प्रतिशत की तेजी रही। पहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई इंडेक्स करीब 6 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। वहीं हॉन्गकॉन्ग के इंडेक्स में 1.51 प्रतिशत की तेजी रही।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि कई देश टैरिफ पर बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं। इससे ट्रेड वॉर टेंशन थोड़ी कम हुई है। निफ्टी 50 और सेंसेक्स के चार्ट ओवरसोल्ड आरएसआई लेवल दिखा रहे थे। इससे शॉर्ट-कवरिंग और नई खरीदारी की उम्मीद पहले से थी।

हल्दीराम फूड्स और हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड हुए एक

हल्दीराम अब स्नैक्स और नमकीन का उत्पादन एक साथ करेगा

नई दिल्ली। हल्दीराम की नागपुर और दिल्ली शाखाओं को मिलाकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड का गठन पूरा हो गया है। इस विलय से हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड और हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड एक हो गए हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकानरी ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है और भावनात्मक एकता का परिचय है। इस विलय से हल्दीराम अब स्नैक्स और नमकीन का उत्पादन एक साथ करेगा। दिल्ली इकाई में हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है और शेष 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है। इस गठन से उम्मीद है कि भारतीय पैक्ड फूड उद्योग को नए फैसले और विकास के मार्ग प्राप्त होंगे। सौदागरों का मानना है कि इस सौदे का मूल्यांकन लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। हल्दीराम के संस्थापक गंगा बिशन अग्रवाल द्वारा 1937 में राजस्थान में शुरू की गई इस खाद्य उत्पाद की विकसित यात्रा अब 80 से अधिक देशों में जारी है। यह गठन भारतीय उद्योग के लिए नए द्वार खोलता है और स्नैक्स और नमकीन सेगमेंट में मजबूती लाता है।

40 पैसे गिरकर बंद हुआ रुपया

मुंबई। भारतीय रुपया मंगलवार को 40 पैसे गिरकर 86.24 पर बंद हुआ। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट देखी गई। जिसका मुख्य कारण आयातों की ओर से डॉलर की मजबूत मांग और भारतीय इक्विटी बाजार से विदेश फंड का लगातार बाहर जाना माना जा रहा है। इसके पहले वैश्विक स्तर पर शुल्क युद्ध बढ़ने से विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे की गिरावट के साथ 85.83 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में सुधार से घरेलू मुद्रा में और गिरावट आई, हालांकि कमजोर अमेरिकी मुद्रा तथा घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत सुधार से इसे कुछ सहारा मिला।

आरबीआई के फैसले से रियल एस्टेट में आएगी बहार, खरीदारों की बढ़ेगी मांग

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर इसे 6 फीसदी पर लाने के फैसले का देश के रियल एस्टेट सेक्टर ने स्वागत किया है। सेक्टर से जुड़े डेवलपर्स और विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से होम लोन सस्ते हो जाएंगे, जिससे मकान खरीदारों की मांग बढ़ेगी और पूरे सेक्टर को गति मिलेगी। क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और शुल्क बढ़ोतरी की चुनौतियों के बीच यह फैसला सही समय पर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे उधार लेने की क्षमता बढ़ेगी, जिससे मध्यम आय और किफायती आवास क्षेत्रों में मांग को जबरदस्त समर्थन मिलेगा। नारेडको के अध्यक्ष ने कहा कि ब्याज दर में कटौती से सभी आय वर्गों में आवास की मांग बढ़ने की उम्मीद है। इससे न केवल रिहायशी बिक्री में वृद्धि होगी, बल्कि बाजार में नकदी प्रवाह बेहतर होगा और डेवलपर्स नई परियोजनाओं की ओर प्रेरित होंगे। सीबीआरई के चेयरमैन ने इसे कारोबारी भरोसा बढ़ाने और नकदी संकट को कम करने वाला कदम बताया। वहीं कोलियर इंडिया के वरिष्ठ निदेशक विमल नादर ने इसे वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उठाया गया रणनीतिक निर्णय बताया।

टेस्ला के भारत आने को लेकर चिंतित नहीं बीएमडब्ल्यू ग्रुप

नई दिल्ली।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि वह टेस्ला के भारत आने को लेकर चिंतित नहीं है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ विक्रम पावाह का मानना है कि टेस्ला के आने से इलेक्ट्रिक कार बाजार को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। पावाह ने कह कि मुझे लगता है कि बाजार बढ़ना चाहिए।

जब भी अधिक प्रतिस्पर्धा होती है, तो हमने देखा है कि बाजार बढ़ता है। पहले से ही कर रहे मुकाबला उनसे पूछा गया था कि टेस्ला के भारत में प्रवेश करने के साथ ईवी बाजार कैसे आकार लेगा और इसपर बीएमडब्ल्यू का क्या रुख रहेगा। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता से प्रतिस्पर्धा के बारे में पूछे जाने पर पावाह ने कहा, ''दुनिया के सभी बाजारों में, हम साथ-साथ मौजूद हैं। आप पिछले साल दुनियाभर के आंकड़े देख सकते हैं, हम ही हैं जो आगे बढ़ रहे थे। वैश्विक स्तर पर हमारी ईवी की बिक्री बढ़ी है।'' उन्होंने कहा कि बहुत अधिक विनिर्माता इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में वृद्धि के बारे में बात नहीं कर सकते हैं।

वर्ष 2024 में बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने कुल 4,26,594 पूर्ण-इलेक्ट्रिक वाहन बेचे और ईवी की बिक्री में उसने 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। बीएमडब्ल्यू और मिनी दोनों ब्रांड ने क्रमशः 3,68,523 इकाइयों (11.6 प्रतिशत) और 56,181 इकाइयों (24.3 प्रतिशत) के साथ इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री में दो अंकीय वृद्धि दर्ज की। फरवरी से टेस्ला ने नियुक्तियां शुरू की फरवरी में टेस्ला ने भारत में विभिन्न भूमिकाओं के लिए नियुक्तियां शुरू की हैं। इनमें कारोबार परिचालन विश्लेषक और ग्राहक सहायता विशेषज्ञ शामिल हैं। यह कंपनी के भारतीय बाजार में प्रवेश का संकेत देता है। भारत में बीएमडब्ल्यू ग्रुप की इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में संभावनाओं पर पावाह ने कहा कि वर्तमान में यह कुल बिक्री का 17 प्रतिशत हिस्सा है। 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की भारत में वाहन बिक्री सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,914 इकाई रही है।

उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य 2025 में कुल बिक्री का 15 प्रतिशत ईवी से हासिल करना है और हम इसे पार कर लेंगे। हम 20 प्रतिशत तक भी जा सकते हैं। लेकिन 15 प्रतिशत हमारा लक्ष्य है। हमें खुशी है कि हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'' बता दें कि एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में आने की तैयारी कर रही है। इससे भारत के इलेक्ट्रिक बाजार पर क्या असर होगा, इसको लेकर चर्चा का बाजार गर्म है। ऑटो एक्सपर्ट का मानना है कि टेस्ला के आने से टाटा मोटर्स, महिंद्रा जैसी कंपनियों पर बड़ा असर हो सकता है।

रुपया गिरावट के साथ खुला

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपये की कमजोर शुरुआत हुई और रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 85.89 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.89 पर खुला और शुरुआती कारोबार के दौरान थोड़ा बढ़कर 5.83 पर पहुंच गया, ये पिछले बंद भाव के स्तर से 7 पैसे कम है। वैश्विक स्तर पर शुल्क युद्ध बढ़ने से विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपया गत दिवस शुरुआती कारोबार में सात पैसे की गिरावट के साथ 85.83 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में सुधार से घरेलू मुद्रा में और गिरावट आई, हालांकि कमजोर अमेरिकी मुद्रा तथा घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत सुधार से इसे कुछ सहारा मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.89 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार के दौरान थोड़ा मजबूत होकर 85.83 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 102.73 पर रहा।

स्कोडा ने इलेक्ट्रिक एसयूवी एलरॉक वीआरएस से आखिरकार पर्दा उठाया

नई दिल्ली।

कारों का निर्मान करने वाली कंपनी स्कोडा ने अपनी सबसे तेज इलेक्ट्रिक एसयूवी एलरॉक वीआरएस से आखिरकार पर्दा उठा दिया है। इस एसयूवी को कुछ कॉस्मेटिक बदलावों के साथ पावरफुल अपग्रेड्स भी मिले हैं। एलरॉक वीआरएस का डिजाइन बेस मॉडल जैसा ही है, लेकिन इसमें नया बॉडी-कलर्ड फ्रंट बंपर, हनीकॉम्ब एयर डैम, वीआरएस बैजिंग, ब्लैक रूफ रेल्स और इल्यूमिनेटेड ग्रिल जैसे एक्सक्लूसिव एलिमेंट्स जोड़े गए हैं। खास बात यह है कि इसे वीआरएस-एक्सक्लूसिव मम्बा ग्रीन पेंट में पेश किया गया है। एसयूवी में एलईडी मैट्रिक्स हेडलाइट्स, 20-इंच अलॉय व्हील्स (वैकल्पिक 21-इंच के साथ), ब्लैकेड-आउट रियर बंपर, रिफ्लेक्टर स्ट्रिप और टिंटेड रियर विंडोज जैसे एलिमेंट्स मिलते हैं। इंटीरियर में हरे एक्सेंट्स के साथ अलकांतारा फिनिश, 5-इंच डिजिटल डिस्प्ले, 13-इंच टचस्क्रीन और ऑगमेंटेड रियलिटी हेड्स-अप डिस्प्ले जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। यह एसयूवी मात्र 5.4 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है।

हालांकि, डब्ल्यूएलटीपी रेंज अब 550 किमी हो गई है, जो स्टैंडर्ड मॉडल से थोड़ी कम है। एसयूवी 11केडब्ल्यू एसी चार्जिंग और डीसी फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे बैटरी को 10 से 80 फीसदी तक महज 26 मिनट में चार्ज किया जा सकता है।फीचर्स की बात करें तो इसमें हीटेड और इलेक्ट्रिक फ्रंट सीट्स, मसाज फंक्शन, एंबियंट लाइटिंग, चार फास्ट-चार्जिंग यूएसबी-सी पोर्ट्स, वायरलेस चार्जिंग और 675 वॉट का 12-स्पीकर साउंड सिस्टम दिया गया है। एलरॉक वीआरएस को 84 केडब्ल्यूएच की बैटरी और डुअल मोटर सेटअप से पावर मिलती है, जो कुल 335 बीएचपी की ताकत देता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 380 अंक, निफ्टी 136 अंक नीचे आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने की समयसीमा करीब आने के साथ ही बाजार में घबराहट का माहौल रहा। इसका भारतीय बाजार पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बाजार की गिरावट रोकने के लिए रीपो रेट में 0.25 फीसदी की कमी की पर उससे कोई प्रभाव नहीं हुआ।

ट्रंप के दवा क्षेत्र पर भी टैरिफ की घोष्णा के बाद से ही दवा कंपनियों के शेयरों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 379.93 अंक करीब 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ ही 73,847.15 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी अंत में 136.70 अंक तकरीबन 0.61फीसदी टूटकर 22,399.15 पर बंद हुआ।

आरबीआई ने नीतिगत दर रीपो रेट को 0.25 फीसदी से कम कर 6.0 फीसदी करने की घोषणा की। अमेरिका के टैरिफ लगाने के कारण आर्थिक क्षेत्र में संशय बढ़ गया था। ऐसे में पहले ही ब्याज दरों को घटाये जाने की उम्मीद थी।

वहीं अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापारिक विवाद अब और बढ़ सकता है। इसका कारण अमेरिका के चीन पर 104 फीसदी टैरिफ लगाने को बताया गया है।

वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजारों से बिकवाली लगातार जारी है। विदेशी निवेशकों ने 8 अप्रैल को 4,994.24 करोड़ रुपये मूल्य के भारतीय शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस को 3,097.24 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

वहीं इससे पहले मंगलवार के ट्रेडिंग सेशन में इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी जैसे भारी भरकम स्टॉक्स में जोरदार तेजी से बाजार में शानदार रिकवरी देखने को मिली थी।

अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स में मंगलवार को गिरावट आई।

डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े फ्यूचर्स 1.2 फीसद गिर गए। नैस्डैक-100 फ्यूचर्स 1.8 फीसदी और एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। पिछले कारोबारी सत्र में वॉल स्ट्रीट बेंचमार्क्स निचे बंद हुए थे।

डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.84 फीसदी नीचे आकर 37,645.59 पर और एसएंडपी 500 भी 1.57 फीसदी कम होकर 4,982.77 पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डैक 2.15 फीसदी नीचे आकर 15,267.91 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई इंडेक्स 225 .72 फीसदी गिरा, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.71 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 1.35 फीसदी नीचे आया।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। दिन की शुरुआत में 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ ही 74,103.83 पर खुला।

वहीं गत दिवस ये 74,227.08 पर बंद हुआ था। सुबह सेंसेक्स में 268.34 अंक करीब 0.36 फीसदी की गिरावट थी और ये 73,958.74 पर खुला। वहीं इसी प्रकार निफ्टी भी गिरावट के साथ 22,460.30 अंक पर खुला।

यूपी के निर्यातक भी परेशान, टैरिफ के कारण नहीं मिल रहे क्रिसमस के आर्डर

हर साल मुरादाबाद को 1500 करोड़ के क्रिसमस आइटम के ऑर्डर मिलते हैं

मुरादाबाद।

यूपी के मुरादाबाद में निर्यातको को टैरिफ के चलते मंदी का सामना करना पड़ रहा है। अभी साफ नहीं है कि किन उत्पादों पर अमेरिका ने टैरिफ लगाया है। ऐसे में क्रिसमस पर अमेरिकी ग्राहकों से मिलने वाले आइटमों के ऑर्डर भी अटक गए हैं। निर्यातकों की मानें तो हर साल मुरादाबाद को करीब 1500 करोड़ के क्रिसमस आइटम के ऑर्डर मिलते हैं, लेकिन अभी तक ग्राहकों ने ऑर्डर नहीं दिए हैं, जिसके चलते निर्यातक भी परेशान हैं। क्रिसमस का पर्व 25 दिसंबर को मनाया जाता है. लेकिन, इसकी तैयारी 15 मार्च के बाद शुरू हो जाती है। मुरादाबाद से विदेशों में जाने वाले ऑर्डर मार्च के आखिरी सप्ताह में मिलने लगते हैं। ऑर्डर मिलने की प्रक्रिया अप्रैल के आखिरी सप्ताह तक चलती है। इसके बाद निर्यातक जुलाई तक आर्डर तैयार करते हैं बाद में शिपमेंट के जरिए ऑर्डर अक्टूबर तक पहुंचते हैं। क्रिसमस ट्री सहित अन्य उत्पादों की खरीदारी के लिए अमेरिकी ग्राहक बड़ी संख्या में ऑर्डर देते हैं, लेकिन टैरिफ लगने के बाद से स्थिति बदल गई है। अमेरिकी ग्राहक उत्पादों के ऑर्डर देने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। जिन्होंने ऑर्डर दिए हैं, उन्होंने अभी तैयार नहीं करने को कहा है। अमेरिकी ग्राहक उत्पादों में भारी छूट मांग रहे हैं, जिसके चलते निर्यातक उत्पाद बहुत कम मात्रा में तैयार करा रहे हैं, साथ ही निर्यातक ऑर्डर को लेकर ग्राहकों के संपर्क में बने हुए हैं। क्रिसमस से संबंधित ये आइटम भेजे जाते हैं। क्रिसमस पर्व पर सबसे ज्यादा क्रिसमस ट्री की मांग रहती है। इसके अलावा कैंडल होल्डर, क्रिसमस हैगिंग, स्टाकिंग होल्डर, सेंटा, क्रिसमस होली बेरीज, गिफ्ट आइटम, हैगिंग एल्फाबेट, बाल्स, कैंडल वेबर, टेबल टाप आइटम, टेबल लॅप सहित छोटे-बड़े करीब 100 आइटम हैं, जिनकी क्रिसमस के मौके पर मांग रहती है। इन आइटम की कीमत 40 रुपए से लेकर दो हजार तक होती है। क्रिसमस आयटम के अलावा दूसरे उत्पादों के आर्डर भी अभी अमेरिकी खरीदारों ने रोक दिए हैं। निर्यातकों का कहना है कि ग्राहक इंतजार कर रहे हैं क्योंकि अमेरिका द्वारा लगाया गया नया टैरिफ 9 अप्रैल से लागू हो गया है। अब देखना है कि इस टैरिफ का क्या असर होता है।

पूरी तरह इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई विटारा' पेश

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी अब इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में कदम रखने को तैयार है। मारुति सुजुकी ने ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी पहली पूरी तरह इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई विटारा' (ईवीएक्स) को पेश किया है, जो साल 2025 की पहली छमाही के अंत तक लॉन्च हो सकती है। यह मारुति की इस साल लॉन्च होने वाली एकमात्र नई एसयूवी होगी, जो पूरी तरह नए प्लेटफॉर्म और पावरट्रेन पर आधारित होगी। ई विटारा को दो बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा। पहला 49 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक होगा, जो सिंगल मोटर और फ्रंट-व्हील ड्राइव लेआउट में आएगा। यह वेरिएंट 144 बीएचपी की पावर और 189 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। दूसरा विकल्प 61 केडब्ल्यूएच बैटरी का होगा, जो दो कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध होगा - एक सिंगल मोटर एफडब्ल्यूडी और दूसरा डुअल मोटर एडब्ल्यूडी । एफडब्ल्यूडी वेरिएंट 172 बीएचपी की पावर और 192.5 एनएम टॉर्क देगा, जबकि एडब्ल्यूडी वेरिएंट 184 बीएचपी की संयुक्त पावर और 300 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। बड़े बैटरी पैक के साथ यह एसयूवी लगभग 500 किमी की दावा की गई रेंज दे सकती है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में एडवांस फीचर्स की कोई कमी नहीं होगी। इसमें मिलेगा 10.25-इंच टचस्क्रीन सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग, एंबियंट लाइटिंग, इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल फ्रंट सीट्स और लेवल 2 अडास जैसे फीचर्स।

ट्रंप के टैरिफ के बाद अब सऊदी अरब ने किया रेट कट,कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया एक बार फिर से मंदी की ओर बढ़ रही है, इसकी वजह है ट्रंप का सभी देशों पर टैरिफ लगाना। टैरिफ को लेकर अनिश्चितता और सऊदी अरब द्वारा रेट कट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है और यह 4 साल के निचले स्तरों पर पहुंच गई है। ब्रेंट क्रूड साढ़े 3 फीसदी गिरकर 60.60 डॉलर प्रति बैरल के लेवल पर पहुंच गया है। वहीं, क्रूड यूएसडी 57.28 डॉलर प्रति बैरल पर है। कमोडिटी बाजार के जानकारों के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ वॉर और सऊदी अरब द्वारा रेट कट के कारण मांग संबंधी चिंताओं के कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। कच्चे तेल की कीमतें लाल निशान पर कारोबार करती रहेंगी और 52 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को छू सकती हैं। ऐसे में दुनिया में मंदी का खतरा बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी और करेंसी हेड ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गईं। इसकी बड़ी वजह अमेरिका-चीन के बीच व्यापार युद्ध तेज होना है, जिसके कारण मंदी और कमजोर मांग को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब द्वारा उत्पादन बढ़ाने और तेल की कीमतों में कमी करने की घोषणा भी कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट का एक कारण है।

रिपोर्ट में एक चाइनीज एक्सपर्ट ने कहा कि टैरिफ को लेकर चीन की आक्रामक जवाबी कार्रवाई से विश्व की दो सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्थाओं के बीच समझौते की संभावना कम है, जिससे वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है। तेल की गिरावट को बढ़ाने वाला एक और कदम पिछले सप्ताह ओपेक द्वारा लिया गया फैसला था, जिसमें पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और रूस समेत सहयोगी देशों ने मई में उत्पादन में 411,000 बैरल प्रतिदिन की वृद्धि करने का फैसला लिया था। विश्लेषकों का कहना है कि इस कदम से बाजार में सरप्लस के हालात पैदा हो सकते हैं।

कर्ज लिया 6 हजार करोड़ का और बैंकों ने की 14 हजार करोड़ की वसूली?

भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने फिर लगाया भारतीय बैंकों पर आरोप

नई दिल्ली।

भारत का भगोड़ा शराब कारोबारी विजय माल्या ने फिर भारतीय बैंकों पर आरोप लगाया है। उसने दावा किया है कि उनसे जितना कर्ज लिया था उससे कहीं ज्यादा संपत्ति भारतीय बैंकों ने पहले ही वसूल कर ली है। माल्या ने वित्त मंत्रालय की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि बैंकों ने 6,203 करोड़ रुपए के कर्ज के बदले 14,131.8 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं। विजय माल्या ने इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने 6,203 करोड़ रुपए की वसूली का आदेश दिया था जबकि बैंकों ने अब तक उससे कहीं ज्यादा वसूली कर ली है। इसके साथ ही उसने यह भी सवाल उठाया कि जब उनके यूके में दिवालिया मामले की सुनवाई होगी तो उस समय बैंकों का क्या जवाब होगा। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में विजय माल्या का नाम प्रमुखता से लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माल्या समेत 10 बड़े आर्थिक अपराधियों के खिलाफ संपत्तियां कुर्क की गई हैं। माल्या की जब्त की गई 14,131.6 करोड़ की संपत्तियां अब भारतीय बैंकों को सौंप दी गई है। रिपोर्ट में यह भी

कहा गया है कि 36 भगोड़ों के प्रत्यर्पण के लिए 44 अनुरोध कई देशों को भेजे गए हैं। ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने 2017 में भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों को विजय माल्या और उनकी कंपनियों से 6,203 करोड़ की वसूली का आदेश दिया था। यह कर्ज किंगफिशर एयरलाइंस को दिए गए ऋण के लिए था जिसमें सालाना 11.5 फीसदी ब्याज दर लागू की गई थी। माल्या का दावा है कि उन्होंने पहले ही पूरी राशि चुकाने की पेशकश की थी लेकिन बैंकों और सरकार ने उनका प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया था। माल्या 2016 में ब्रिटेन चले गए थे और तब से उनकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया चल रही है। वहीं विजय माल्या के दावे से यह सवाल उठता है कि क्या बैंकों ने वसूली की प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी? वहीं माल्या के इस आरोप के बाद अब यह देखना होगा कि उनके खिलाफ चल रही प्रत्यर्पण प्रक्रिया में बैंकों की भूमिका क्या होगी।

कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का हुआ विलय, 1 मई से लागू करने अधिसूचना जारी

एक राज्य एक आरआरबी नीति पर केंद्र सरकार ने बढ़ाया कदम

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय को 1 मई से लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम के तहत प्रदान की गई शक्तियों के मुताबिक इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय कर एक इकाई बनाई जाएगी और इन्हें अपनी संपत्तियां, शक्तियां, अधिकार, दायित्व और कर्त्तव्य विरासत में मिलेंगे। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के इस नए ढांचे का मकसद कार्यप्रणाली को बेहतर बनाना और इनके प्रायोजक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्रतिस्पर्धा को न्यूनतम करना है। यह केंद्रीय वित्त मंत्रालय की एक राज्य, एक आरआरबी नीति का हिस्सा है। वित्त मंत्रालय की इस नीति के बारे में सबसे पहले जानकारी सितंबर 2024 में दी गई थी। इस अधिसूचना में कई राज्यों के कई बैंकों के विलय की जानकारी दी गई है। इस विलय का मकसद ज्यादा व्यापक और मजबूत क्षेत्रीय संस्थान बनाना है। इस क्रम में आंध्र प्रदेश में चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरि ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक का विलय कर आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा। इसका मुख्यालय आंध्र प्रदेश के अमरावती में होगा और इसका प्रायोजक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया होगा। इस तरह बिहार में दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक और उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक का विलय कर बिहार ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा। इसका मुख्यालय पटना होगा और इसका प्रायोजक पंजाब नैशनल बैंक करेगा। गुजरात में बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक और सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक को मिलाकर गुजरात ग्रामीण बैंक बनेगा। इसका मुख्यालय बडोदरा होगा और प्रायोजक बैंक ऑफ बड़ौदा होगा। इस तरह जम्मू व कश्मीर में जे ऐंड के ग्रामीण बैंक और इलाकाई देहाती बैंक का विलय कर जम्मू ऐंड कश्मीर ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा।

ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज ने की हरेक 10 शेयरों के लिए 9 बोनस शेयर देने की घोषणा

नई दिल्ली।

ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड कंपनी ने हरेक 10 शेयरों के लिए 9 बोनस इक्विटी शेयरों के बोनस इश्यू की घोषणा की है। इसमें से हर शेयर का फेस वैल्यू 10 रुपए रखा गया है। कंपनी 9 अगस्त, 2021 को बाजार में लिस्ट हुई थी। उसके बाद से यह दूसरा बोनस इश्यू है। कंपनी ने 2022 में 8:1 के रेश्यो में बोनस इश्यू का ऐलान किया था। कंपनी ने अपने 9:10 की रेश्यो में बोनस इश्यू के लिए एक्स-डेट बुधवार और रिकॉर्ड डेट 10 अप्रैल, 2025 तय की है।

कंपनी ने 5 अप्रैल को रेगुलेटरी फाईलिंग में बताया था कि 9:10 के रेश्यो में फुली पेड अप बोनस इक्विटी शेयर जारी करने के लिए शेयरधारकों की एलिजिबिलिटी का पता लगाने को लेकर 10 अप्रैल रिकॉर्ड डेट के रूप में तय की है। कंपनी ने 2024 में अपने शेयरहोल्डर्स को 3 डिविडेंड दिए। इसमें 0.30 रुपए के दो अंतरिम डिविडेंड शामिल है। कंपनी ने 2023 में भी अंतिम डिविडेंड के रूप में हर शेयर पर 0.50 रुपए दिए थे।

ग्रेटेक्स कॉरपोरेट के शेयरों ने पिछले तीन साल में 5452 फीसदी का तगड़ा रिटर्न दिया। पिछले एक महीने में शेयर 108.62 फीसदी चढ़ा है। तीन और छह महीने में शेयर में क्रमशः 38.67 फीसदी और 126.19 फीसदी की तेजी आई है। एक साल में शेयर 194.60 फीसदी बढ़ा। स्टॉक का 52 वीक हाई 875 रुपए और 52 वीक लो 355 रुपए है। बीएसई पर कंपनी का मार्केट कैप 664.89 करोड़ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

रोमांचक मैच में लखनऊ ने कोलकाता को हराया, पूरन ने नाबाद 87 रन बनाए, मार्श की फिफ्टी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स पर 4 रन से रोमांचक जीत हासिल की है। मंगलवार को ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 239 रन का टारगेट चेज कर रही कोलकाता की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 234 रन ही बना सकी। रिंकू सिंह 15 बॉल पर 38 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 61 और वेंकटेश अय्यर ने 45 रन बनाए। दोनों ने 40 बॉल पर 71 रन की साझेदारी की। यह साझेदारी टूटते ही कोलकाता की टीम बिखर गई। आकाश दीप और शार्दुल ठाकुर को 2-2 विकेट मिले। इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग कर रही लखनऊ ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 238 रन बनाए। निकोलस पूरन 36 बॉल पर 87 रन बनाकर नाबाद बनाए। मिचेल मार्श ने 81 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। ऐडन मार्करम ने 47 रन बनाए। हर्षित राणा ने 2 विकेट झटके। एक विकेट आंद्रे रसेल को मिला। यह कोलकाता की उसके घरेलू मैदान पर लगातार दूसरी हार है। टीम को पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 7 विकेट से हराया था।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और कैपिटल्स में मुकाबला

शाम 7.30 से शुरू होगा मैच

बेंगलुरु।

यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुरुवार को आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक टक्कर होने की उम्मीद है। आरसीबी की टीम जहां अपने घरेलू मैदान में उतरेगी। वहीं कैपिटल्स इस सत्र में शीर्ष पर होने के कारण बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। आंकडों पर नजर डालें तो आरसीबी का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो वहां ऋषभ का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। बेंगलुरु और दिल्ली के बीच आईपीएल इतिहास में अब तक 12 मैच इस मैदान पर खेले गये हैं, जिसमें आरसीबी ने 7 मैच जीते हैं। कैपिल्स की टीम बेंगलुरु में आरसीबी के खिलाफ सिर्फ 4 मैच ही जीत पाई है। इस मैच में प्रशंसकों को आरसीबी के अनुभवी बल्लेबजा विराट कोहली और रॉयल्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। अब देखना होगा कि इनमें कौन भारी पड़ता है।

इस सत्र में अब तक दिल्ली का प्रदर्शन शानदार रहा है और उसने अपने तीनों मैच जीते हैं जबकि आरसीबी को चार में से तीन मैचों में जीत मिली है। दोनों टीमें अब तक हालातों के अनुसार खेलने में सफल रही हैं।

आरसीबी को एकमात्र हार इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस के हाथों मिली थी। वहीं दिल्ली कैपिटलस ने अब तक अपनी तीनो ही मैच जीते हैं। ऐसे में टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच में विराट को स्टार्क के अलाव बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की गेंदबाजी का सामना करना होगा। इस सत्र में स्टार्क ने तीन मैचों में 11 की औसत से नौ विकेट लिए हैं जिससे पता चलता है कि वह लय में हैं। इसके बाद कुलदीप ने छह की इकॉनॉमी रेट से विकेट लिए हैं। वहीं कैपिटल्स के कुलदीप किसी भी बल्लेबाज पर अंकुश लगा सकते हैं। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वह स्पिनरों के खिलाफ सफल भी रहे हैं। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। ये दोनो ही पावरप्ले में प्रभावी रहे हैं। इनका लक्ष्य दिल्ली के

करनी होगी। वह अब तक तीन मैचों में एक भी विकेट नहीं ले पाये हैं। दूसरी कोर आरसीबी की बात करें तो उसके पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना करना कैपिटल्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। ये दोनो ही पावरप्ले में प्रभावी रहे हैं। इनका लक्ष्य दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को रन बनाने से रोकना होगा। राहुल अपने इस घरेलू मैदान पर खतरनाक साबित हो सकते हैं। इस मैच में दिल्ली को उम्मीद रहेगी कि बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी फिटनेस जांच में सफल होकर उतरें। इसके अलावा करुण नायर से भी टीम को अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्लेमिंग ने प्रियांश की बल्लेबाजी को लाजवाब बताया

मोहाली।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अपनी टीम के बल्लेबाज प्रियांश आर्या के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की है। इस मैच में हालांकि सीएसके को पंजाब किंग्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है पर प्रियांश ने तूफानी शतक लगया। फ्लेमिंग ने मैच के बाद कहाकि अब तक इस सत्र में हमें नुकसान हुआ है। इसका कारण टीम का कई क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन रहा है। फ्लेमिंग ने कहाकि टीम ने कई कैच छोड़े। इस मैचम में सीएसके की ओर से सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र ने 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद कॉन्वे और शिवम दुबे ने तीसरे विकेट के लिये 89 रन बनाये। फ्लेमिंग ने कहाकि सकारात्मक बात यह है कि हमने अच्छी बल्लेबाजी की और शीर्षक्रम रन बनाने में सफल रहा हालांकि उन्होंने कहाकि बीच के ओवरों में हम रनरेट बरकरार नहीं रख पाने के कारण दबाव में आ गये। वहीं पंजाब किंग्स के शशांक सिंह ने भी की

प्रियांश की तारीफ करते हुए कहा कि उसने एक छोर संभालकर 42 गेंद में 103 रनों की हैरान कर देने वाली पारी खेली। कहाकि यह उसका दिन था। उसने पहली ही गेंद से शानदार खेला। यह बहुत साहस की बात है कि पहली गेंद पर आउट होने के बाद आप इस तरह आकर ऐसी पारी खेलते हैं।

धोनी आईपीएल में 150 कैच पकड़ने वाले पहले विकेटकीपर बने

मोहाली।

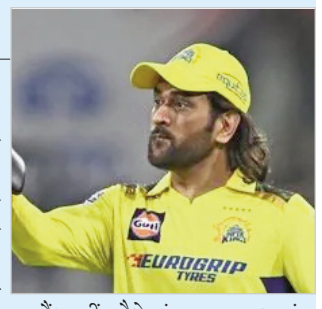

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भले ही हार का सामना करना पड़ा है पर उसके अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने एक नया रिकार्ड बना दिया। इस मैच के दौरान धोनी आईपीएल इतिहास में विकेट के पीछे सबसे पहले 150 कैच पकड़ने वाले विकेटकीपर बन गए हैं। इस सूची में दूसरा नाम दिनेश कार्तिक का है। धोनी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर नेहल वढेरा का कैच पकड़ते ही आईपीएल में अपना 150 वा कैच पकड़ा। वह आईपीएल में ये आंकड़ा हासिल करने वाले पहल खिलाड़ी हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे कार्तिक के नाम 137 कैच हैं। तीसरे नंबर पर रिद्धिमान साहा हैं, जिन्होंने 87 कैचों लिए हैं। वहीं चौथे नंबर पर ऋषभ पंत हैं। उनके नाम 76 कैच जबकि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर रिकी पोंटिंग के नाम 66 कैच हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ धोनी बल्लेबाजी के लिए पांचवे नंबर पर उतरे और उन्होंने 12 गेंदों में ही 27 रन बना दिया। इस पारी के दौरान उन्होंने एक चौका और 3 छक्के लगाये। उनका स्ट्राइक रेट 225 का था। इससे पहले के मैचों में वह आठवें या नौवे नंबर पर उतर रहे थी जिसपर प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी थी।

द्रविड़ को नहीं पसंद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम

ऑलराउंडरों की कमी होगी

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड ने आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को लेकर सवाल उठाये हैं। द्रविड़ के अनुसार जब वह भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच थे तभी से उन्हें आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' अच्छा नहीं लगता है। द्रविड़ ने कहा कि उन्होंने इस नियम के लाभ की बात सुनी है पर इससे आने वाले समय में अच्छे ऑलराउंडरों की कमी हो जाएगी। द्रविड़ से पहले भी कई दिग्गजों ने इस नीयम की आलोचना की थी। इम्पैक्ट प्लेयर नियम आईपीएल 2023 में पेश किया गया था। इसके बाद से ही ऑलराउंडरों की जगह विशेषज्ञ खिलाड़ी की मांग बढ़ने लगी।

द्रविड़ ने कहा, ÷जब मैं भारतीय टीम का कोच था, मुझे मुझे इम्पैक्ट प्लेयर नियम खास पसंद नहीं था। इसका ये अर्थ नहीं है कि यह खेल को अधिक प्रतिस्पर्धी नहीं बनाता। यह निश्चित रूप से बनाता है। यह मैचों को अंत तक जीवंत बनाये रखता है हालांकि राष्ट्रीय टीम के हिसाब से ये अलग प्रकार की परेशानी पैदा करता है।

वहीं एक कोच का लक्ष्य बेहतर ऑलरांउडर तैयार करना रहता है पर ये नियम उसमें आड़े आता है। उन्होंने साथ ही कहा कि पहले जब दोनों टीम के 11 खिलाड़ी खेलते थे तो उस प्रारुप में कुछ खिलाड़ियों को अलग अलग हालातों में बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने का ज्यादा अवसर मिलता था पर इम्पैक्ट प्लेयर नियम ने इसमें बदलाव किया है।

इस नियम के कारण टूर्नामेंट में बड़े बड़े स्कोर देखने को मिल रहे

हैं। कई टीमें 200 से अधिक रन बना रही हैं। इसी कारण आईपीएल इतिहास के बड़े स्कोर देखने में आये हैं। इसका कारण है कि टीमों के पास एक अतिरिक्स विशेषज्ञ बल्लेबाज होता है। इसका मतलब है कि कोई भी टीम वास्तव में खेल से बाहर नहीं होती क्योंकि उसके पास नौवें नंबर तक एक बल्लेबाज रहता है।

इससे पहले कई अन्य पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों ने भी इस नियम की आलोचना करते हुए कहा था कि इससे ऑलराउंडरों के लिए टीम में जगह हासिल करने के अवसर कम होंगे।

संक्षिप्त समाचार

मैक्सवेल पर जुर्माना

मोहली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल मुकाबले में आचारसंहिता उल्लंघन के लिए पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। गई है। मैक्सवेल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में आचार संहिता तोड़ने के दोषी पाये गये थे। इसी कारण उन्हें सजा मिली है। आईपीएल की ओर से कहा गया कि मैक्सवेल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है और एक नकारात्मक अंक भी उनके खाते में जोड़ दिया गया है। इस मुकाबले में मैक्सवेल असफल रहे थे और केवल वे एक रन बनाकर आउट हो गए थे पर मैच में उन्होंने एक विकेट लिया था। मैक्सवेल ने आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया है पर उन्होंने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया है, इसलिए इस मैच में अब आगे सुनिवाई नहीं होगी। आईपीएल के इस सत्र में कुछ अन्य खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया गया है।

आईसीसी मोबाइल क्रिकेट गेम लांच करेगी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब अपने पहले मोबाइल क्रिकेट गेम को लॉन्च करने जा रही है। इससे क्रिकेट प्रशंसकों को अब मैच देखने के साथ ही गेमिंग की दुनिया में उतरने का अवसर भी मिलेगा। इस गेम से प्रशंसकों के साथह आईसीसी को भी खासा लाभ होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार आइसीसी की डिजिटल टीम ने इस मोबाइल गेम को लॉन्च करने का प्रस्ताव रखा है। योजना को मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जाएगा। इसमें डेवलपर्स के लिए एक टेंडर जारी किया जाएगा। इकसे अलावा आईसीसी को गेमिंग के लिए जरुरी लाइसेंस भी लेना होगा। आईसीसी ये गेम इसलिए लांच कर रही है क्योंकि वह जानती है दुनिया भर में क्रिकेट फैल रहा है। वहीं भारत में क्रिकेट गेमिंग काफी सफल है। अनुमान है कि भारत में क्रिकेट गेमिंग का बाजार तेजी से बढ़ता जा रहा है। ऐसे में आईसीसी इसका लाभ उठाना चाहती है। जिससे वह इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करने के साथ ही अपना राजस्व बढ़ा सके।

आईपीएल अंक तालिका में सीएसके को हुआ नुकसान , सुपर जायंट्स को लाभ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग के खिलाफ मिली हार के बाद अंक तालिका में हल्का बदलाव आया है। सीएसके अब नौवें स्थान पर खिसक गयी है। वहीं एक अन्य मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली जीत के बाद एक स्थान का लाभ हुआ है। पंजाब किंग्स ने इस सत्र में तीसरा मैच जीता पर वह अभी भी चौथे पायदान पर ही है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) दूसरे जबकि गुजरात टाइटन्स है तीसरे व दिल्ली कैपिटल्स पहले नंबर पर है। शीर्ष पांच में शामिल सभी टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं पर नेट रन रेट के कारण पंजाब की टीम इस समय चौथे पायदान पर फिसल गयी है।

आईसीसी रैंकिंग: ब्रेसवेल ऑलराउंडरों की सूची में पांचवें नंबर पर पहुंचे

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ब्रेसवेल केा पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। उनकी कप्तानी में कीवी टीम ने तीसरे वनडे में भी पाकिस्तान को हराकर 3-0 से सीरीज पर कब्जा किया। ब्रेसवल अब 246 रेटिंग अंकों के साथ ऑलराउंडरों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे वह अपनी ही टीम के मिशेल सेंटनर के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गये हैं। अंतिम एकदिवीसय में 6ठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए इस ऑलराउंडर ने 40 गेंदों में एक चौके और छह छक्कों सहित 59 रन बनाये। ब्रेसवेल ने गेंदबाजी के दौरान एक विकेट भी लिया।

इस सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए कीवी खिलाड़ी बेन सियर्स को रैंकिंग में लाभ मिला है और व 12 स्थान ऊपर आकर र 89वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीयर्स ने एकदिवसीय सीरीज में तीन मैचों में कुल 10 विकेट लिए जिससे वह गेंदबाजी रैंकिंग में 64 पायदान पर पहुंचे हैं।

वहीं नंबर एक स्थान पर भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल बने हुए हैं। शुभमन का हाल में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। वहीं पाकिस्तान के अनुभवी

बल्लेबाज बाबर आजम दूसरी जबकि भारत के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान को अच्छी बल्लेबाजी के कारा दो स्थान का लाभ मिला है और वह 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। र पर उन्हें विदेशी टी20 लीग में खेलने की इजाजत दी जाती है।

वहीं एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने कहा बीसीसीआई किसी भी फ्रेंचाइजी को सीधे तौ पर किसी खिलाड़ी को आराम देने के लिए नहीं कह सकता है। वे निश्चित रूप से काम के बोझ की निगरानी कर सकते हैं और किसी भी डाटा को साझा करने के लिए कह सकते हैं लेकिन वे ये तय नहीं कर सकते हैं कि कौन सा खिलाड़ी कितने मैच खेलेगा या कौन सा गेंदबाज कितने ओवर गेंदबाजी करेगा।

श्रेयस, रविंद्र और डफी आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ अवार्ड की दौड़ में शामिल

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर पुरस्कार के लिये नामांकित किया है। श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से शानदार रहा है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उसमें अय्यर ने पांच मैचों में दो अर्धशतकों की सहायता से 243 रन बनाये थे। आईसीसी ने कहा , ''इस बल्लेबाज ने तीन एकदिवसीय में 57.33 की औसत से 172 रन बनाये और टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये। भारतीय टीम की खिताबी जीत में भी श्रेयस की अहम भूमिका रही। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में 79 रन बनाये और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 रन बनाये। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 48 रन भी बनाये।'' विश्व क्रिकेट की शीर्ष संस्था के अनुसार श्रेयस की पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने और साझेदारियां बनाने की क्षमता काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन ने कीवी टीम की ओर से चार मैचों में दो शतक सहित 263 रन बनाये और तीन विकेट भी लिये जबकि डफी ने मार्च में 6.17 की इकॉनामी रेट से 13 लिए। वहीं महिला क्रिकेट की बात करें तो सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड, अमेरिका की चेतना प्रसाद और ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शामिल हैं।

आईपीएल में सीएसके और पंजाब मैच में बना कैच छोडने का रिकार्ड

मोहाली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र में चेन्नई सुपर किग्स (सीएसके) का प्रदर्शन अब तक बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। टीम को अब तक पांच मैचों में से चार में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका नौवें नंबर पर खिसक गयी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मैच में भी टीम को करारी हार मिली। इस मैच में सीएसके और पंजाब किंग्स की टीम ने कुल मिलाकर 9 कैच छोड़े हैं। पांच कैच सीएसके के खिलाड़ियों ने जबकि चार पंजाब ने छोड़ेइस प्रकार टीम के नाम एक अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह आईपीएल के किसी भी मैच में सबसे ज्यादा कैच छोड़ने का नया रिकॉर्ड है। इससे पहले 2023 में ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने संयुक्त रुप से आठ कैच छोड़े थे।इस मैच में पंजाब की ओर से कठिन हालातों में प्रियांस आर्या ने आक्रामक शतक लगाकर टीम को 6 विकेट पर 219 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद सीएसके लक्ष्य का पीछा करते हुए 5 विकेट पर 201 रन ही बना पायी।

मुंबई इंडियंस के पावरप्ले प्रदर्शन को लेकर चिंतित दिख रहे माहेला जयवर्धने

मुंबई।

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने टीम के पावरप्ले प्रदर्शन को लेकर चिंता जाहिर की है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 12 रन की हार के बाद जयवर्धने ने कहा कि पावरप्ले में टीम का खेल, चाहे गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी हो फीका रहा। उन्होंने बताया कि शुरुआती ओवरों में हमारे गेंदबाज लगातार रन लुटा रहे हैं और अहम मौकों पर अनुशासन भी कम दिखाता है। सोमवार को पहले ही ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने विकेट लिया, लेकिन उसके बाद कोहली और पडिक्कल ने जवाबी हमला कर सिर्फ छह ओवर में 73 रन बना दिए, जिसमें दीपक चाहर का 20 रन का महंगा ओवर निर्णायक साबित हुआ। यह वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ अब तक का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर था। गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी टीम शुरुआती झटकों से परेशान है। लक्ष्य का पीछा करने उतारी मुंबई ने चार ओवर में दो विकेट गंवाए और पावरप्ले खत्म होने तक स्कोर 54/2 रहा। मौजूदा सीजन में पावरप्ले में मुंबई ने कुल 10 विकेट गंवाए हैं। कोच जयवर्धने ने कहा कि टीम ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन शुरुआत को बरकरार नहीं रख सके। टीम ने जल्दी विकेट खोए और फिर गति खो दी। इसके बाद बीच में कुछ बड़े ओवर जरूर आए, लेकिन पहले दस ओवरों में हम मैच में नहीं थे। उन्होंने माना कि टीम को और निर्दयी बनने की जरूरत है और सीनियर खिलाड़ियों से उन्हें अब भी पूरा भरोसा है। रोहित शर्मा को लेकर माहेला ने कहा कि बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ आउट होना स्वाभाविक है और रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ी इसपर काम जरुर करेगा। आंकड़े

बताते हैं कि रोहित 2023 से अब तक पावरप्ले में 22 बार आउट हो चुके हैं, जो किसी भी बल्लेबाज से ज्यादा है। हालांकि जयवर्धने ने उनके आक्रामक रवैये को सही ठहराते हुए कहा कि रोहित टीम को तेज शुरुआत देने की कोशिश कर रहे हैं।

रहाणे ने पिच क्यूरेटर पर निशान साधा

कोलकाता ।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे यहां के ईडन गार्डन मैदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार से निराश हैं। रहाणे ने हार के बाद पिच क्यूरेटर पर निशाना साधा। न्होंने कहा कि घरेलू मैदान पर होने के बाद भी उसके स्पिनरों को लाभ नहीं मिला। इससे पहले भी यहां हुए मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा था। रहाणे ने कहा, 'सबसे पहले मैं यह स्पष्ट कर दूं कि स्पिनरों के लिए कोई मदद नहीं थी।' इस मैच में रहाणे का पहले गेंदबाजी करने का फैसला भी सही नहीं रहा और विरोधी टीम ने जमकर रन बनाये। रहाणे ने कहा, 'यह एक अच्छा विकेट था, हम सभी ने देखा, इस विकेट पर लगभग 500 रन बने, गेंदबाजों के लिए कठिन था पर उन्होंने हालातो का फायदा उठाया और बाउंड्री का बहुत अच्छा इस्तेमाल किया।' घरेलू हालात के फायदे के बारे को लेकर कप्तान ने कहा, 'देखिए, विकेट के बारे में बहुत बाते हुई हैं और अगर मैं अभी कुछ बोलूंगा तो वेवजह मुद्दा बनेगा।' रहाणे ने कहा कि इससे क्यूरेटर को ही अधिक प्रचार मिल जाएगा। मुझे लगता है कि वे इस प्रचार से खुश हैं। घरेलू पिच पर फायदे के बारे में सभी समझ सकते हैं। पिच को लेकर वह कोई भी बात अब आईपीएल प्रबंधन से ही करेंगे। इस विकेट पर सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई ने अपने आठ ओवर में कुल मिलाकर 80 रन दो महत्वपूर्ण विकेट लिए पर केकेआर के रहस्मयी स्पिनर सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती कोई विकेट नहीं ले पाये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सभी इन्द्रियों को जीतने के कारण जितेन्द्रिय कहलाए स्वामी

जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी माने जाते हैं.महावीर का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज श्री सिद्धार्थ और माता त्रिशिला रानी देवी के यहां हुआ था.वर्धमान महावीर का जन्म एक क्षत्रिय राजकुमार के रूप में एक राज परिवार में हुआ था. उनका जन्म प्राचीन भारत के वैशाली राज्य के गांव कुंडग्राम में हुआ था. भगवान महावीर कई नामों से जानें जाते हैं जिनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति और साहसी आदि मुख्य नाम थे.भगवान महावीर का जन्म एक साधारण बालक के रूप में हुआ था इनकी कड़ी तपस्या की वजह से ही इनका जीवन अनूठा बन गया.

ऐसा माना जाता है कि महावीर स्वामी का काफी अन्तर्मुखी स्वभाव के थे.शुरुआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी लेकिन माता-पिता की इच्छा की वजह से उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ परिणय सूत्र में बंध गए और जिससे उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया. तीस साल की उम्र में उन्होंने घर-बार छोड़ दिया और कठोर तपस्या की वजह से कैवल्य ज्ञान प्राप्त किया.महावीर ने पार्श्वनाथ के आरंभ किए तत्वज्ञान को परिभाषित करके जैन दर्शन को स्थाई आधार दिया.महावीर स्वामी ने श्रद्धा एवं विश्वास की वजह से जैन धर्म की फिर से प्रतिष्ठा स्थापित की. उन्होंने 'अहिंसा परमोधर्म' के सिद्धांत और लोक कल्याण का मार्ग अपना कर विश्व को शांति का सन्देश दिया.आधुनिक काल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने पूरी दुनिया को अहिंसा के जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए आह्वान किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम और सबसे अधिक जोर महावीर स्वामी ने ही दिया है.इस आदर्श के अनुसार, हमें किसी भी रूप, मनसा-वाचा-कर्मणा, में हिंसा नहीं करनी चाहिए.जैन धर्म की मान्यताओं के मुताबिक वर्द्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए.इन्द्रियों को जीतने के कारण वे जितेन्द्रिय कहे जाते हैं.यह कठिन तप पराक्रम के समान माना गया, इसलिए वे 'महावीर' कहलाए. उन्हें वीर,अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है. भगवान महावीर ने अपने उपदेशों से इस समाज का कल्याण किया है.उनकी शिक्षाओं में ये बातें प्रमुख थीं कि सत्य का पालन करो, अहिंसा को अपनाओ, जिओ और जीने दो.इसके अलावा उन्होंने पांच महाव्रत, पांच अणुव्रत, पांच समिति तथा छह आवश्यक नियमों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया.जो जैन धर्म के प्रमुख आधार माने गए.पावापुर में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर ने आखिरी सांस ली.

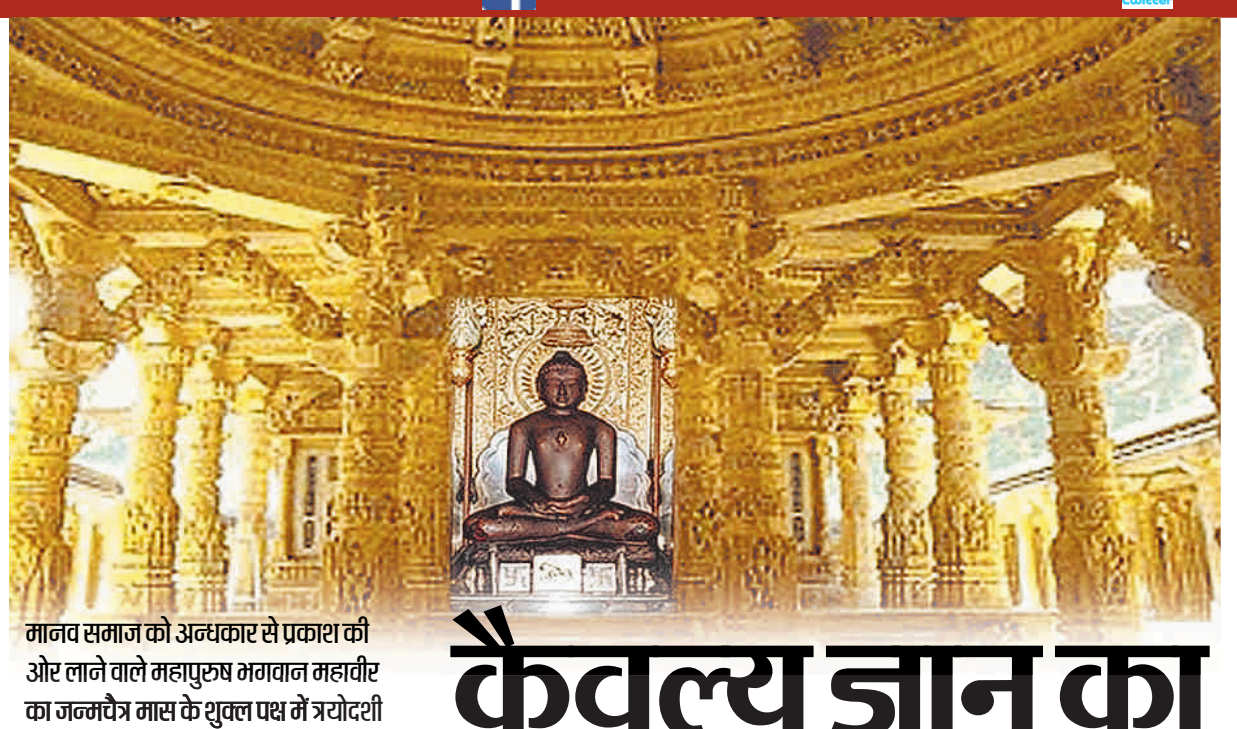

कैवल्य ज्ञान का मार्ग महावीर

मानव समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने वाले महापुरुष भगवान महावीर का जन्मचैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज 'श्री सिद्धार्थ' और माता 'त्रिशिला देवी' के यहां हुआ था। जिस कारण इस दिन जैन श्रद्धालु इस पावन दिवस को 'महावीर जयन्ती' के रूप में परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास और श्रद्धाभक्ति पूर्वक मनाते हैं। बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था। जैन धर्मियों का मानना है कि वर्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामान माना गया, जिस कारण उनको महावीर कहा गया और उनके अनुयायी जैन कहलाए।

महावीर का मार्ग पूर्णत: स्पष्ट और कैवल्य ज्ञान प्राप्त करने का मार्ग है। यह राजपथ है। उनके उपदेश हमारे जीवन में किसी भी तरह के विरोधाभास को नहीं रहने देते। जीवन में विरोधाभास या द्वंद्व है तो फिर आप कहीं भी नहीं पहुँच सकते। भगवान महावीर को समझने के लिए कैवल्य ज्ञान प्राप्त करना होगा। समुद्र को जानने के लिए समुद्र में डूबना होगा। महावीर की गहराई को फिर भी कोई छू नहीं सकता। धरती पर कुछ गिने-चुने ही महापुरुष हुए हैं। उनमें महावीर ध्यानियों में ऐसे हैं जैसे सागरों में प्रशांत महासागर। महावीर का जीवन, दर्शन या तप कुछ भी रहा हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुख्य बात यह कि उन्होंने 'कैवल्य ज्ञान' की जिस ऊँचाई को छुआ था वह अवर्णीय है। वह अंतरिक्ष के उस सन्नाटे की तरह है जिसमें किसी भी पदार्थ की उपस्थिति नहीं हो सकती। जहाँ न ध्वनि है और न ही ऊर्जा। केवल शुद्ध आत्मतत्व।

महावीर का जीवन : : भगवान महावीर तीर्थंकरों की कड़ी के अंतिम तीर्थंकर हैं। उनका जन्म नाम वर्धमान है। राजकुमार वर्धमान के माता-पिता श्रमण धर्म के पार्श्वनाथ सम्प्रदाय से थे। महावीर से 250 वर्ष पूर्व 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए थे। भगवान महावीर का जन्म 599 ईपू.अर्थात 2614 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के कुंडलपुर के क्षत्रिय राजा सिद्धार्थ के यहाँ हुआ। उनकी माता त्रिशला लिच्छवि राजा चेटकी की पुत्र थीं। भगवान महावीर ने सिद्धार्थ-त्रिशला की तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल की तेरस को जन्म लिया।

महावीर की शिक्षा : वर्धमान के बड़े भाई का नाम नंदिवर्धन व बहन का नाम सुदर्शना था। वर्धमान का बचपन राजमहल में बीता। आठ बरस के हुए, तो उन्हें पढ़ाने, शिक्षा देने, धनुष आदि चलाना सिखाने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया।

विवाह मतभेद : श्वेताम्बर संघ की मान्यता है कि वर्धमान ने यशोदा से विवाह किया था। उनकी बेटी का नाम था अयोज्जा या अनवद्या। जबकि दिगम्बर संघ की मान्यता है कि उनका विवाह हुआ ही नहीं था। वे बाल ब्रह्मचारी थे।

श्रामणी दीक्षा : महावीर की उम्र जब 28 वर्ष थी, तब उनके माता-पिता का देहान्त हो गया। बड़े भाई नंदिवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे। बाद में तीस बरस की उम्र में वर्धमान ने श्रमण परंपरा में श्रामणी दीक्षा ले ली। वे 'समण' बन गए। अधिकांश समय वे ध्यान में ही मग्न रहते।

कैवल्य ज्ञान : भगवान महावीर ने 12 साल तक मौन तपस्या तथा गहन ध्यान किया। अन्त में उन्हें 'कैवल्य ज्ञान' प्राप्त हुआ। कैवल्य ज्ञान प्राप्त होने के बाद भगवान महावीर ने जनकल्याण के लिए शिक्षा देना शुरू की। अर्धमगधी भाषा में वे प्रवचन करने लगे, क्योंकि उस काल में आम जनता की यही भाषा थी।

महावीर का तत्वज्ञान : ब्रह्मांड में दो ही तत्व हैं जीव और अजीव अर्थात जड़ और चेतन। दोनों एक दूसरे से परस्पर बद्ध हैं। इस बद्धता को ही कर्माश्रव व कर्मबंध कहते हैं। चेतन का जड़ के इस बंधन से मुक्त होना ही कैवल्य ज्ञान और पूर्ण मुक्त हो जाना निर्वाण है। इसके अलावा अनेकांतवाद अर्थात वास्तववादी और सापेक्षतावादी बहुत्ववाद सिद्धांत और स्यादवाद अर्थात ज्ञान की सापेक्षता का सिद्धांत। उक्त दोनों सिद्धांतों में सिमटा है भगवान महावीर का दर्शन। दर्शन अर्थात जो ब्रह्मांड और आत्मा के अस्तित्व के प्रारंभ और इसकी स्थिति तथा प्रकार के बारे में खुलासा करता हो।

महावीर का संघ : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान मार्ग को पुष्ट करने हेतु अपने अनुयायियों को चार भागों में विभाजित किया- मुनि, आर्यिका, श्रावक और श्राविका। प्रथम दो वर्ग गृहत्यागी परिव्राजकों के लिए और अंतिम दो गृहस्थों के लिए। यही उनका चतुर्विध-संघ कहलाया।

पंच महाव्रत : भगवान महावीर ने कैवल्य ज्ञान हेतु धर्म के मूल पाँच व्रत बताए- अहिंसा, अचौर्य, अमैथुन और अपरिग्रह। उक्त पंचमहाव्रतों का पालन मुनियों के लिए पूर्ण रूप से और गृहस्थों के लिए स्थूलरूप अर्थात अणुव्रत रूप से बताया गया है। हालाँकि महावीर का धर्म और दर्शन उक्त पंच महाव्रत से कहीं ज्यादा विस्तृत और गूढ़म है।

महावीर का निर्वाण : महावीर का निर्वाण काल विक्रम काल से 470 वर्ष पूर्व, शक काल से 605 वर्ष पूर्व और ईसवी काल से 527 वर्ष पूर्व 72 वर्ष की आयु में कार्तिक कृष्ण (अश्विन) अमावस्या को पावापुरी (बिहार) में हुआ था। निर्वाण दिवस पर घर-घर दीपक जलाकर दीपावली मनाई जाती है।

महावीर के शिष्य : महावीर के हजारों शिष्य थे जिनमें राजा-महाराजा और अनेकानेक गणमान्य नागरिक थे। लेकिन कुछ प्रमुख शिष्य भी थे ?जो हमेशा उनके साथ रहते थे। इसके अलावा भी जिन्होंने नायकत्व संभाला उनमें भी प्रमुख रूप से तीन थे।

महावीर के निर्वाण के पश्चात जैन संघ का **नायकत्व क्रमश :** उनके तीन शिष्यों ने संभाला- गौतम, सुधर्म और जम्बू। इनका काल क्रमश : 12, 12, व 38 वर्ष अर्थात कुल 62 वर्ष तक रहा। इसके बाद ही आचार्य परम्परा में भेद हो गया। श्वेतांबर और दिगंबर पृथक-पृथक परंपराएँ हो गईं।

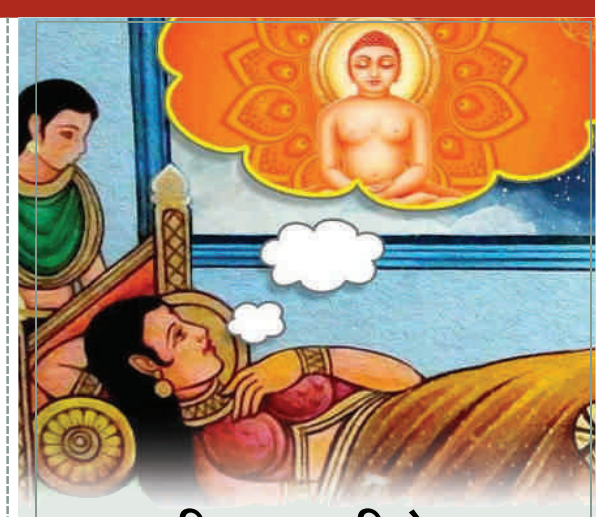

महावीर स्वामी के जन्म से पहले माता त्रिशला ने देखे थे ये शुभ स्वप्न

प्राचीन जैन ग्रंथ 'उत्तर पुराण' में तीर्थंकरों का वर्णन मिलता है। इस ग्रंथ के अनुसार वैशाली के राजा चेटक के दस पुत्र और सात पुत्रियां थीं। राजा चेतक प्राचीन भारत के वैशाली लिच्छवि राजवंश मुखिया थे जो गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी के समकालीन थे। राजा चेतक की रानी का नाम सुभद्रा था। इनके दस पुत्र हुए जिनके नाम धनदत्त, धनप्रभ, उपेन्द्र, सुदत्त, सिंहभद्र, सुकुम्भोज, अकम्पन, पतंगक, प्रभंजन और प्रभास थे और सात पुत्रियां थीं उनमें सबसे बड़ी प्रियकारिणी (त्रिशला) थी, फिर मृगावती, सुप्रभा, प्रभावती, चेलिनी, ज्येष्ठा और सबसे छोटी चंदना थी। उनकी ज्येष्ठ पुत्री त्रिशला (प्रियकारिणी) का विवाह कुण्डलपुर (वैशाली गणराज्य) के तत्कालीन राजा का सिद्धार्थ से हुआ था। एक दिन कुण्डलपुर के लोग सोकर उठे और देखते हैं कि अचानक वहां कीमती रत्नों की वर्षा आरंभ हो गई हैं। लोगों ने अभी तक जल वर्षा देखी थी, रत्न वर्षा देखकर उनका चमत्कृत होना स्वाभाविक था। इन्द्र की आज्ञानुसार कोषाध्यक्ष कुबेर कुण्डलपुर में प्रतिदिन प्रात:, मध्याह्न, सायं और रात्रि को तीन-तीन करोड़ रत्नों की वर्षा कर रहे थे। जैन मान्यतानुसार प्रत्येक तीर्थंकर के जन्म से छ: माह पूर्व से ऐसी रत्नवर्षा आरंभ हो जाती थी, जो उनके जन्मस्थल की सात पीढ़ियों तक संपन्न हो जाती थीं। कुण्डलपुरवासी इस अद्भुत रत्न वर्षा का कारण जानने के लिए उत्सुक थे। नगरभर में इसी बात की चर्चा थी। इतने रत्न बरस रहे थे कि घरों में रखने तक की जगह नहीं बची थी। कुण्डलपुर की सुख-समृद्धि स्वमेव बढ़ गई थी। नगर का वातावरण एक दिव्य आभा से आलोकित हो गया था।

जब महारानी त्रिशला भी नगर में हो रही अद्भुत रत्नवर्षा के बारे में सोच रही थीं। यह सोचते-सोचते वे ही गहरी नींद में सो गई। उसी रात्रि को अंतिम प्रहर में महारानी ने आषाढ़ शुक्ल षष्ठी के दिन सोलह शुभ मंगलकारी स्वप्न देखे। सुबह जागने पर महारानी त्रिशला के महाराज सिद्धार्थ से अपने स्वप्नों की चर्चा की और उसका फल जानने की इच्छा प्रकट की। राजा सिद्धार्थ एक कुशल राजनीतिज्ञ के साथ ही ज्योतिष शास्त्र के भी विद्वान थे। उन्होंने रानी से कहा कि एक-एक कर अपना स्वप्न बताएं। वे उसी प्रकार उसका फल महारानी को बताएंगे।

रानी ने पहला स्वप्न बताया : स्वप्न में एक अति विशाल श्वेत हाथी दिखाई दिया।

राजा ने फल बताया : उन्हें एक अद्भुत पुत्र-रत्न उत्पन्न होगा।

दूसरा स्वप्न : श्वेत वृषभ।

फल : वह पुत्र जगत का कल्याण करने वाला होगा।

तीसरा स्वप्न : श्वेत वर्ण और लाल अयालों वाला सिंह।

फल : वह पुत्र सिंह के समान बलशाली होगा।

चौथा स्वप्न : कमलासन लक्ष्मी का अभिषेक करते हुए दो हाथी।

फल : देवलोक से देवगण आकर उस पुत्र का अभिषेक करेंगे।

पांचवां स्वप्न : दो सुगंधित पुष्पमालाएं।

फल : वह धर्म तीर्थ स्थापित करेगा और जन-जन द्वारा पूजित होगा।

छठा स्वप्न : पूर्ण चन्द्रमा।

फल : उसके जन्म से तीनों लोक आनंदित होंगे।

सातवां स्वप्न : उदय होता सूर्य।

फल : वह पुत्र सूर्य के समान तेजयुक्त और पापी प्राणियों का उद्धारक होगा।

आठवां स्वप्न : कमल पत्रों से ढंके हुए दो स्वर्ण कलश।

फल : वह पुत्र अनेक निधियों का स्वामी निधि ?पति होगा।

नौवां स्वप्न : कमल सरोवर में क्रीड़ा करती दो मछलियां।

फल : महाआनंद का दाता, दुखहर्ता।

दसवां स्वप्न : कमलों से भरा जलाशय।

फल : एक हजार आठ शुभ लक्षणों से युक्त पुत्र।

ग्यारहवां स्वप्न : लहरें उछालता समुद्र।

फल : भूत-भविष्य-वर्तमान का ज्ञाता केवली पुत्र।

बारहवां स्वप्न : हीरे-मोती और रत्नजड़ित स्वर्ण सिंहासन।

फल : राज्य का स्वामी और प्रजा का हितचिंतक पुत्र।

तेरहवां स्वप्न : स्वर्ग का विमान।

फल : इस जन्म से पूर्व वह पुत्र स्वर्ग में देवता होगा।

चौदहवां स्वप्न : पृथ्वी को भेद कर निकलता नागों के राजा नागेन्द्र का विमान।

फल : जन्म से ही वह पुत्र त्रिकालदर्शी होगा।

पन्द्रहवां स्वप्न : रत्नों का ढेर।

फल : वह पुत्र अनंत गुणों से संपन्न होगा।

सोलहवां स्वप्न : धुआंरहित अग्नि।

वह पुत्र कर्मों का अंत करके मोक्ष (निर्वाण) प्राप्त करेगा। इस तरह महारानी त्रिशला ने अपने सोलह स्वप्न फलों का वर्णन महाराजा सिद्धार्थ से प्राप्त किया। राजा सिद्धार्थ स्वप्न-फल बताकर शांत ही हुए थे कि उनके सामने कुछ दिव्य पुरुष प्रकट हुए। उनमें से एक ने अपना परिचय देते हुए कहा- 'हे राजन! मैं देवराज इन्द्र अपने साथियों सहित आपको व महारानी को नमन करता हूं। आप धन्य हैं, आपको तीनों लोकों के स्वामी का माता-पिता बनने का सौभाग्य मिला है। आपके यहां उत्पन्न होने वाला जीव- अंतिम तीर्थंकर महावीर के रूप में प्रसिद्ध होगा और पापियों का कल्याण करके स्वयं मोक्ष को प्राप्त करेगा। यह कहकर देवराज इन्द्र ने अपने साथी देवताओं सहित महारानी त्रिशला का अभिषेक किया, उन्हें दिव्य वस्त्र, रत्नाभूषण आदि प्रदान किए और महावीर का गर्भ कल्याणक मनाकर वापस स्वर्ग लौट गए। यह समाचार सुनकर महाराज सिद्धार्थ और महारानी त्रिशला की खुशियों का कोई ठिकाना नहीं रहा। पूरे राज्य में यह समाचार फैल गया। घर-घर में खुशियां मनाई जाने लगीं। चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्म हुआ।

अहिंसा परमोधर्म

वर्तमान युग में महात्मा गाँधी ने सारी मनुष्य जाति को जिस महान आदर्श को अपनाने के लिए अहवाहन किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम एवं सबसे अधिक जैन तीर्थंकर पार्श्व और महावीर ने ही दिया है। महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन, कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता हैं। यह ज्ञानार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। चोरी कभी नहीं करनी चाहिए। चोरी भी मन, वचन एवम कर्म से होती हैं अथवा किसी एक से भी करना, महापाप हैं। महावीर हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देते हैं। उनकी जयंती के दिन हमें यह प्रतिज्ञा करने चाहिए कि उनकी बताई शिक्षा में से किसी एक शिक्षा को अपनायें। इससे हमारे में नैतिक गुणों का विकास होगा, साथ ही साथ अच्छे कर्म भी होंगे। भगवान महावीर ने दुनिया को बहुत ही अच्छे संदेश दिए। उनका सबसे प्रिय संदेश था अहिंसा के मार्ग पर चलने का। भगवान महावीर के मूल मंत्र 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलकर ही हम देश, दुनिया को बचा सकते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें करुणामय एवं निस्वार्थ सादगीपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती हैं। यह त्योहार सच्चाई, अहिंसा तथा सौहार्द के प्रति सभी की प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का काम करे।

भगवान महावीर का जन्मोत्सव

महारानी त्रिशला का एक-एक क्षण बमुश्किल से बीत रहा था। वे बेसब्री से शिशु-जन्म की प्रतीक्षा कर रही थीं। उनकी देखभाल के लिए देवराज इंद्र ने देव कन्याओं को नियुक्त कर रखा था। अत : उन्हें किसी प्रकार की शारीरिक पीड़ा नहीं होती थी। जैन मान्यता के अनुसार, तीर्थंकर के जन्म के समय उनकी माता को किसी प्रकार की पीड़ा नहीं होती थी और ना ही उनके शरीर का रूपांतरण होता था। अंतत : वह घड़ी आ गई। चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन भगवान महावीर ने जन्म लिया। उनके जन्म के साथ ही तीनों लोकों में आनंद छा गया। देव लोक स्वयं वाद्य बजाकर मंगल ध्वनि करने लगे। इंद्र का सिंहासन डोलने लगा। वे समझ गए कि चौबीसवें तीर्थंकर महावीर ने जन्म ले लिया है। वे अपनी पत्नी शचि के साथ महावीर का जन्म कल्याणक मनाने आए। क्षीरसागर के अमृत जल से महावीर का जलाभिषेक किया गया। कुंडलपुर में दो सप्ताह तक उत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर महावीर का जन्मोत्सव मनाया गया। तदंतर ज्योतिषियों ने उनकी जन्मकुंडली बनाई और घोषित किया कि यह बालक या तो चक्रवर्ती राजा बनेगा या जगतगुरु।

प्राणी मात्र के कल्याण के लिए महावीर का संदेश

भगवान महावीर का संदेश प्राणी मात्र के कल्याण के लिए है। उन्होंने मनुष्य-मनुष्य के बीच भेदभाव की सभी दीवारों को ध्वस्त किया। उन्होंने जन्मना वर्ण व्यवस्था का विरोध किया। इस विश्व में न कोई प्राणी बड़ा है और न कोई छोटा। उन्होंने गुण-कर्म के आधार पर मनुष्य के महत्व का प्रतिपादन किया। ऊँच-नीच, उन्नत-अवनत, छोटे-बड़े सभी अपने कर्मों से बनते हैं। जातिवाद अतात्विक है। सभी समान हैं न कोई छोटा, न कोई बड़ा। भगवान की दृष्टि समभावी थी- सर्वत्र समता-भाव। वे सम्पूर्ण विश्व को समभाव से देखने वाले साधक थे, समता का आचरण करने वाले साधक थे। उनका प्रतिमान था- जो व्यक्ति अपने संस्कारों का निर्माण करता है, वही साधना का अधिकारी व्यक्त की गई कि आत्मा आँखों से नहीं दिखाई देती तथा इस आधार पर आत्मा के अस्तित्व के सम्बन्ध में शंका व्यक्त की गई तो भगवान ने उत्तर दिया : 'भवन के सब दरवाजे एवं खिड़कियाँ बन्द करने के बाद भी जब भवन के अन्दर संगीत की मधुर ध्वनि होती है तब आप उसे भवन के बाहर निकलते हुए नहीं देख पाते। आँखों से दिखाई न पड़ने के बावजूद संगीत की मधुर ध्वनि बाहर खड़े श्रोताओं को आच्छादित करती है। संगीत की ध्वनि पौद्गलिक (भौतिक द्रव्य) है। आत्मा अरूपी एवं अमूर्तिक है। आँखें अरूपी आत्मा को किस प्रकार देख सकती हैं? अमूर्तिक आत्मा का इन्द्रिय दर्शन नहीं होता, अनुभूति होती है। प्रत्येक आत्मा में परम ज्योति समाहित है। प्रत्येक चेतन में परम चेतन समाहित है। प्रत्येक व्यक्ति स्वयं में स्वतंत्र, मुक्त, निर्लेप एवं निर्विकार है। प्रत्येक आत्मा अपने पुरुषार्थ से परमात्मा बन सकती है। शुद्ध तात्विक दृष्टि से जो परमात्मा है वही मैं हूँ और जो मैं हूँ वही परमात्मा हैं। मनुष्य अपने सत्कर्म से उन्नत होता है।

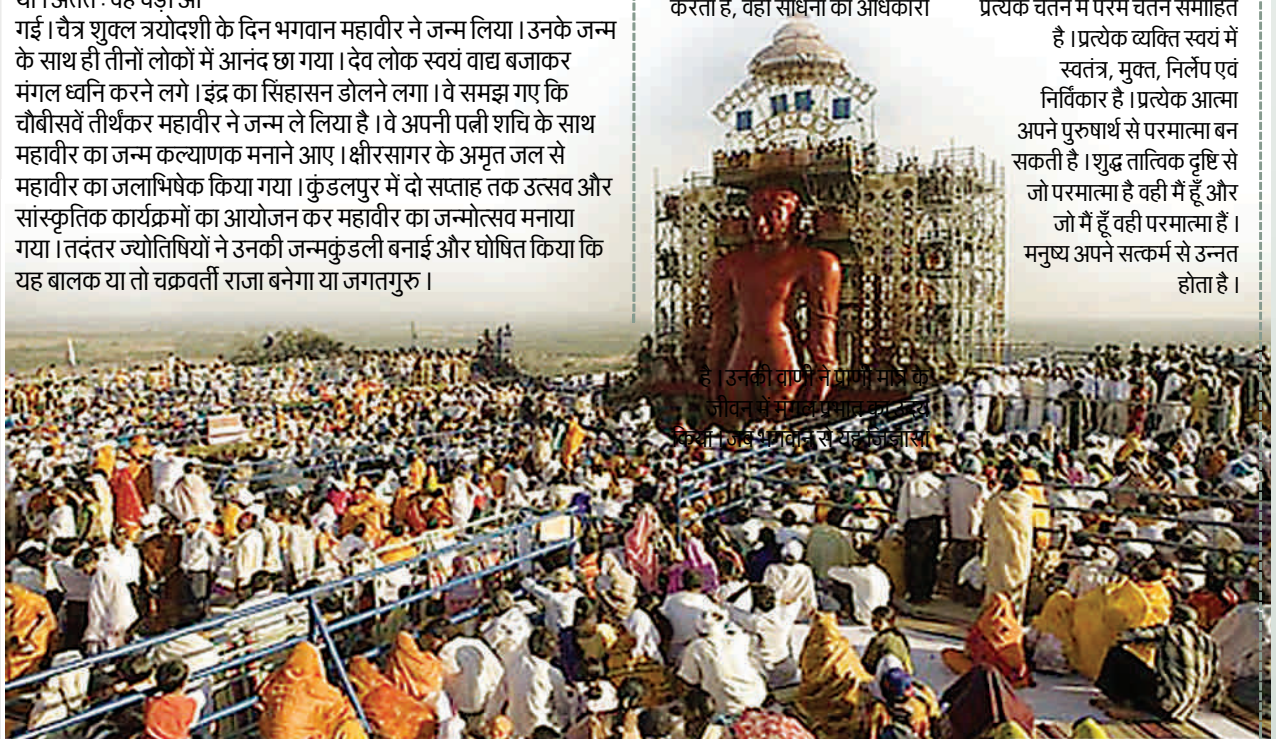

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस का 84वां अधिवेशनःन्यायपथ थीम पर मंथन करने दूसरे दिन साबरमती रिवरफ्रंट पर जुटे 1700 प्रतिनिधि

अहमदाबाद।

कांग्रेस पार्टी का 84वां अधिवेशन आज अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर अपने दूसरे दिन में प्रवेश कर गया। अधिवेशन की शुरुआत झंडावंदन के साथ हुई, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की उपस्थिति रही। इसके बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और देशभर से आए 1700 से अधिक प्रतिनिधियों के बीच विचार-विमर्श का दौर शुरू हो गया। इस ऐतिहासिक अधिवेशन की थीम है 'न्यायपथःसंकल्प, समर्पण, और संघर्ष', जो कांग्रेस की आगामी राजनीतिक रणनीतियों और जनसंघर्ष के संकल्प को दर्शाती है। पार्टी के अनुसार, यह अधिवेशन गुजरात में संगठन को पुनर्गठित करने और 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए मजबूत रोडमैप तैयार करने की दिशा में एक निर्णायक पहल है।

शक्तिसिंह गोहिल ने कविता के जरिए भावनाएं प्रकट कीं

गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने मंच से एक प्रभावशाली कविता के माध्यम से कार्यकर्ताओं के जज़्बे को संबोधित किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस कार्यकर्ता डरा नहीं है, न ही वह बिकाऊ है।

हां, कुछ लोग लालच में पार्टी छोड़कर गए, लेकिन कांग्रेस का आत्मबल अडिग है। यहां बताते चलें कि साबरमती रिवरफ्रंट पर विशेष रूप से निर्मित वीवीआईपी डोम में मुख्य अधिवेशन हो रहा है। इस स्थान पर देशभर से आए प्रतिनिधि, नेता और पदाधिकारी पार्टी की वर्तमान स्थिति, आगामी चुनावी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती पर विचार कर रहे हैं।

गुजरात में 64 वर्षों बाद अधिवेशन

यह अधिवेशन ऐतिहासिक है क्योंकि गुजरात में कांग्रेस का अधिवेशन 64 साल बाद हो रहा है।

इससे पहले 1961 में भावनगर में अधिवेशन हुआ था। इस वर्ष महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 वर्ष और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर पार्टी ने गुजरात को अधिवेशन स्थल के रूप में चुना है – जो दोनों महान नेताओं की जन्मभूमि है। यह अधिवेशन न केवल संगठनात्मक समीक्षा का मंच है, बल्कि 2027 के गुजरात विधानसभा चुनावों की तैयारी का बिगुल भी है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम पर अपमानजनक टिप्पणियों के मामले में पवन खेड़ा को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा की पीएम नरेंद्र मोदी और उनके पिता के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणियों से संबंधित आरोपों में दर्ज मुकदमे रद्द की मांग वाली याचिका पर अब अगले महीने सुनवाई होगी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच तीन हफ्ते बाद सुनवाई करेगी। पवन खेड़ा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। 3 दिसंबर 2024 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए पवन खेड़ा की याचिका खारिज कर दी थी। निचली अदालत ने पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज मुकदमा रद्द करने से इनकार कर दिया था। बता दें पवन खेड़ा ने 17 फरवरी 2023 को पीएम मोदी पर टिप्पणी करते हुए उनका नाम उद्योगपति गौतम अदाणी से जोड़ा था। इसके बाद 20 फरवरी 2023 को उनके खिलाफ वाराणसी और लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शुरुआती जांच के बाद लखनऊ की हजरतगंज पुलिस ने सीजेएम कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था।

पश्चिम बंगाल में नहीं लागू होगा नया वक्फ कानून- सीएम ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बुधवार को साफ कर दिया कि राज्य में वक्फ संशोधन कानून लागू नहीं किया जाएगा। वह कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। ममता ने कहा कि वह अल्पसंख्यक समुदाय और उनकी संपत्ति की पूरी सुरक्षा करेंगी। उन्होंने कहा कि मुझे पता है वक्फ अधिनियम लागू होने से आप सभी परेशान हैं। आप सभी को विश्वास दिलाती हूं, बंगाल में ऐसा कुछ भी नहीं होगा जो किसी के बीच में मतभेद पैदा करे और राज्य को विभाजित करे। उन्होंने कहा कि आप बांग्लादेश की स्थिति को देख रहे हैं। वक्फ विधेयक को अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। बता दें कि वक्फ संशोधन बिल को संसद के दोनों सदनों में लंबी बहस के बाद मंजूरी मिल गई। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी।

किराए में रहने वाले साधारण युवक को 314 करोड़ का आयकर नोटिस

बैतूल। बैतूल जिले के मुलताई के ड्रीम लेंड सिटी मैं रहने वाले चंद्रशेखर पंडित राव को, 314 करोड रुपए आयकर में जमा करने का नोटिस मिला है। 4 साल पहले इस युवक ने श्रीनाथ मंगलम बैंक नागपुर में बैंक खाता खुलवाया था। पिछले साल दिसंबर में इसे आयकर का नोटिस मिला था। फिर से आयकर विभाग ने दूसरा नोटिस भेजा है। आयकर विभाग ने जिस युवक को नोटिस भेजा है। वह ठेका लेकर मकान बनाने का काम करता है। उसके खाते से करोड़ों रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ है। इसकी जानकारी उसे नहीं है। बैंक खाते से मोबाइल का नंबर लिंक नहीं है। आयकर विभाग ने अब मुलताई नगर पालिका को पत्र भेजकर चंद्रशेखर की संपत्ति के संबंध में जानकारी मांगी है। इस युवक के पास कोई संपत्ति भी नहीं है। नागपुर के बैंक खाते से बिना उसकी जानकारी के करोड़ों रुपए के ट्रांजैक्शन हुए हैं। आयकर विभाग नोटिस भेज कर वसूली करने की बात कर रहा है।

बेटे की हत्यारिन सूचना सेठ ने जेल में महिला आरक्षक से की मारपीट

बेंगलुरु।

खुद के 4 साल के मासूम बेटे की हत्या करने वाली एआई स्टार्टअप कंपनी की की सीईओ सूचना सेठ जेल में है। जेल में रहने के बाद भी इस हत्यारिन का घमंड नहीं टूटा है। अब सेंट्रल जेल के परिसर में एक महिला पुलिस कांस्टेबल पर हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। इसी जेल में वह वर्तमान में बंद है। बता दें कि बेंगलुरु स्थित एआई स्टार्टअप कंपनी की की सीईओ सूचना सेठ को साल 2024 के जनवरी महीने में गोवा के एक होटल में अपने चार साल के बेटे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, महिला पुलिस कांस्टेबल के साथ झगड़ा तब शुरू हुआ जब सूचना सेठ ने पुलिस की अनुमति के बिना महिला कैदी ब्लॉक का इनवर्ड रजिस्टर ले लिया। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने पुलिसकर्मी को गंदी-गंदी गालियां दी और धक्का दिया। इसके बाद उसने लात-घूंसों से हमला कर दिया।

महिला कांस्टेबल के बाल खींचे जिससे उसे चोटें आईं।जनवरी 2024 में कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गिरफ्तार होने के बाद से सूचना सेठ जेल में हैं। उसे गोवा के होटल से किराए पर ली गई टैक्सी में बेंगलुरु वापस जाने के दौरान गिरफ्तार किया गया था। बेंगलुरु वापस जाते समय उसके साथ एक सूटकेस में उसके बेटे की लाश मिली थी। सूचना सेठ पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 121 (1) (सरकारी सेवक के साथ नौकरी के दौरान मारपीट करना) और धारा 352 (उकसाने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दो मई को खुलेंगे केदारनाथ के कपाटः हेली सेवा के लिए 15 मिनट के अंदर 39 हजार बुकिंग

देहरादून।

केदारनाथ धाम के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। चारधाम यात्रा के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरू हो चुकी है। यात्रा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। विशेषकर केदारनाथ धाम को लेकर लोगों की श्रद्धा का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हेली सेवा की बुकिंग मंगलवार सुबह 12 बजे खुलने के मात्र 15 मिनट के भीतर ही पूरे माह के स्लॉट फुल हो गए। इस दौरान आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर मई महीने के 38,850 टिकट बुक हुए। केदारनाथ धाम के कपाट दो मई को खुल रहे हैं। धाम के लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) और आईआरसीटीसी की अधिकारिक वेबसाइट के जरिए हेली सेवा की बुकिंग ले रहे हैं। इसके तहत मई महीने के लिए आठ अप्रैल को बुकिंग स्लॉट खुलने के 15 मिनट के अंदर ही सारी टिकटें बिक गईं। टिकट बुक कराने को लेकर मची मारामारी के चलते साइट पर लोड बढ़ गया। इससे साइट खुलने में परेशानी भी हुई। केदारनाथ के कपाट 2 मई को खुलेंगे चारधाम यात्रा के लिए धामों के कपाट खुलने की तिथि तय की जा चुकी है। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल, केदारनाथ धाम के कपाट दो मई

और बदरीनाथ धाम के कपाट चार मई को खुलेंगे। श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 25 मई को खुलेंगे।

जून के लिए स्लॉट खुलने का इंतजार

टिकट बुक करने से चूक गए लोगों को अब जून के लिए स्लॉट खुलने का इंतजार करना पड़ेगा। मालूम हो कि केदारनाथ धाम के लिए पवन हंस, आर्यन एविएशन, हिमालयन हेली, ट्रांस भारत, ग्लोबल विक्ट्रा, थंबी एविएशन, केस्ट्रल एविएशन और एयरो एयरक्राफ्ट, हेली सेवा की सुविधा दे रही हैं। एक आईडी से 6 टिकट ही बुक होगी एसीईओ यूकाडा दयानंद सरस्वती ने बताया, केदारनाथ हेली सेवा के तहत 1295 यात्री रोज के हिसाब से टिकट बुक की गई हैं। चूंकि यात्रा दो मई से शुरू हो रही है, ऐसे में मई में 30 दिन के लिए करीब 38,850 टिकट बुक किए।

भारत का डेटा सेंटर उद्योग 2027 तक 1.8 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद

मुंबई।

भारत का डेटा सेंटर उद्योग वृद्धि के लिए तैयार है, जिसकी क्षमता 2027 तक 77 फीसदी बढ़कर 1.8 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। बुधवार को आई एक ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि डेटा सेंटर उद्योग में यह मजबूत विस्तार 2024 में 1 गीगावाट के मील के पत्थर को पार करने के बाद हुआ है। उद्योग 2019 से 24 फीसदी सीएजीआर का मजबूत प्रदर्शन कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक क्लाउड सर्विस प्रोवाइडर्स की मांग और तेजी से बढ़ते एआई क्षेत्र द्वारा संचालित यह वृद्धि भारत को ग्लोबल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के परिदृश्य में एक शक्ति के रूप में स्थापित करती है। मुंबई भारत के डेटा सेंटर बाजार में एक लीडर के रूप में उभरा है, जो देश की कुल क्षमता का 52 फीसदी हिस्सा रखता है। यह प्रभुत्व भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में मुंबई की अहम भूमिका और देश के डेटा हब के रूप में इसकी स्थिति को उजागर करता है। इस क्रम में मुंबई के बाद चेन्नई दूसरे स्थान पर है, जहां भारत की डेटा सेंटर क्षमता का 21 फीसदी हिस्सा है। दिलचस्प बात यह है कि बेंगलुरु जिसे भारत की सिलिकॉन वैली कहा जाता है और हैदराबाद जैसे स्थापित टेक हब में देश की डेटा सेंटर क्षमता का 7-7 फीसदी हिस्सा है। जेएलएल के एपीएसी लीड ने कहा कि भारत एआई मिशन सभी क्षेत्रों में एआई अपनाने को बढ़ावा देगा, जो 1 ट्रिलियन डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था लक्ष्य में योगदान देगा। भारत में डिजिटल और रियल एस्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 5 बिलियन डॉलर के निवेश के साथ 785 मेगावाट की नई डेटा सेंटर सप्लाई जोड़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भविष्य की मांग वृद्धि पर अमेरिकी प्रसार नीति की प्रतिकूल परिस्थितियों का असर पड़ने की उम्मीद है, जो एडवांस टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर को प्रतिबंधित करती है। जेएलएल के मुख्य अर्थशास्त्री और अनुसंधान एवं आरईआईएस, भारत प्रमुख सामंतक ने कहा कि भारतीय डेटा सेंटर उद्योग तीव्र वृद्धि के लिए तैयार है।

उधमपुर में मुठभेड़, आतंकियों के छिपे होने की आशंका

उधमपुर।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। रामनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले जोफर गांव में दो से ज्यादा आतंकियों के छिपे होने की सूचना है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम तलाशी अभियान चला रही थी, इसी दौरान टीम पर फायरिंग हो गई और मुठभेड़ शुरू हो गई। जानकारी अनुसार उधमपुर जिले के रामनगर क्षेत्र के अंतर्गत जोफर गांव में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। प्रारंभिक तौर पर बताया जा रहा है कि इलाके में दो से अधिक आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम द्वारा चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान यह मुठभेड़ शुरू हुई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्हें इनपुट मिला था कि कुछ संदिग्ध आतंकवादी गतिविधि जोफर गांव के आसपास देखी गई है। इसी सूचना के आधार पर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। तलाशी के दौरान जैसे ही सुरक्षा बल गांव के एक विशेष हिस्से में पहुंचे, छिपे हुए आतंकियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाल लिया। इलाके में घेरा सख्त, अतिरिक्त बल तैनात घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और किसी भी तरह के खतरे से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों

को तैनात किया गया है। आसपास के गांवों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है और स्थानीय निवासियों से अपील की गई है कि वे घरों के भीतर रहें और सुरक्षाबलों के कार्य में सहयोग करें। मुठभेड़ स्थल पर ड्रोन और अन्य निगरानी उपकरणों की सहायता से आतंकियों की सटीक लोकेशन का पता लगाया जा रहा है। सुरक्षाबलों का मानना है कि आतंकी किसी बड़े हमले की योजना बना रहे थे, जिसे समय रहते विफल कर दिया गया।

वक्फ कानून जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए बेहद अहम, इस पर हो चर्चाः सादिक

जम्मू।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ कानून पर हुए हंगामे के बाद राजनीति और तेज हो गई है। पीडीपी, कांग्रेस समेत कई दल वक्फ कानून को लेकर चर्चा की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायक निजामुद्दीन भट ने कहा कि इस कानून पर चर्चा होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि सदन के नेता आएं और इस मामले पर अहम फैसला लें। यह पूरे देश के लिए अहम है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि हम चाहते हैं कि सदन सुचारू रूप से चले, लेकिन वक्फ संशोधन कानून खासकर जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए बेहद अहम है। हम यही चाहते हैं कि इस मुद्दे को लेकर हमें मौका दिया जाए, ताकि अपनी बात रख सके। एनसी के विधायक अब्दुल ने कहा कि पिछले दो दिनों से सदन को चलने नहीं दिया गया। हमारी मांग है कि वक्फ कानून पर चर्चा हो। जिस तरह से तमिलनाडु विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित हुआ है, उसी तर्ज पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी वक्फ कानून के खिलाफ एक प्रस्ताव पास हो, ताकि इस कानून को

वापस लिया जा सके। बीजेपी विधायक विक्रम रंधावा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ कानून के अलावा लोगों और विकास के मुद्दों पर बात करनी चाहिए। अब जिसको लेकर चर्चा सदन में नहीं हो सकती है, उसके लिए सरकार कोई भी बैठक करे, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। वक्फ कानून के खिलाफ नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा स्थगन प्रस्ताव लाए जाने के मुद्दे को लेकर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ था, जिसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पडी थी।

बीजेपी को हराने क्षेत्रीय दलों का गठबंधन जरूरीःपप्पू यादव

राजद खुश रहे या न रहे, इससे हमें फर्क नहीं पड़ता

पूर्णिया।

बिहार के चर्चित नेता और पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भाजपा पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगा दिया है। सांसद पप्पू के अनुसार, बीजेपी ओबीसी, एससी-एसटी और किसान विरोधी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ सभी दलों को मिलजुलकर काम करना होगा, बीजेपी को अपने दम पर हराना मुश्किल होगा। पप्पू यादव ने कहा कि यह पार्टी मुख्य समस्याओं पर कभी बात नहीं करती और ओबीसी, एससी, एसटी व किसानों के हितों की विरोधी है। इसके विपरीत, कांग्रेस की सोच समाज के हर तबके को हिस्सेदारी देने है, खासकर ओबीसी, एससी और एसटी को आगे बढ़ाने का काम कांग्रेस करती है।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की सक्रियता पर पप्पू ने कहा कि हिंदी पट्टी में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए सभी मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, राजद खुश रहे या न रहे, इससे हमें फर्क नहीं पड़ता। सभी गठबंधन धर्म के तहत अपना काम कर रहे हैं। मेरा मानना है कि बीजेपी को हराने के लिए हिंदी पट्टी में गठबंधन जरूरी है, क्योंकि क्षेत्रीय दल सिर्फ अपने दम पर बीजेपी का मुकाबला नहीं कर सकते।

कांग्रेस के भविष्य पर सांसद यादव ने कहा कि पार्टी अकेले लड़ेगी या नहीं, यह मैं नहीं बता सकता, लेकिन बीजेपी को हराना हमारा लक्ष्य है। पार्टी एक विचारधारा से चलती है और नेतृत्व जो दिशा तय करता है, उसी के आधार पर कार्यकर्ता काम करते हैं।

मोदी सरकार पर हमलावार सांसद पप्पू यादव ने कहा कि मोदी है मुमकिन है का नारा खत्म हो चुका है। देश का रुपया गिर गया, पड़ोसी देश दूर हो गए और अमेरिका टैरिफ बढ़ा रहा है, लेकिन मोदी चुप हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि बीते 11 साल में पीएम मोदी ने क्या किया? उनका दावा था कि 2014 से पहले हिंदू और देश खतरे में नहीं थे, लेकिन मोदी के आने के बाद से ही यह संकट पैदा हुआ है।

यूएई को भारत देगा आकाश मिसाइल? रक्षामंत्री ने दुबई के प्रिंस को दिया प्रस्तावष्ट

-दोनों देशों ने रक्षा सहयोग बढ़ाने का किया फैसला, रिश्ते होंगे और मजबूत

नई दिल्ली।

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आकाश मिसाइल सिस्टम देने का प्रस्ताव दिया है। यह प्रस्ताव रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के बीच हुई बैठक में दिया गया। दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को बढ़ाने का फैसला लिया है। इसमें सैन्य अभ्यास, ट्रेनिंग, रक्षा उत्पादन में सहयोग, संयुक्त परियोजनाएं, रिसर्च और टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान भी शामिल है।

राजनाथ ने इस बैठक को बहुत अच्छा बताया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए यूएई के साथ मजबूत रिश्ता बहुत जरूरी है। आने वाले सालों में हम रक्षा सहयोग, मिलकर उत्पादन और विकास, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। भारत और यूएई दोनों ही क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए काम करने को तैयार हैं। दोनों नेताओं ने दुनिया में चल रही राजनीतिक घटनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने रक्षा सहयोग के लिए बनाए गए सिस्टम, सैन्य अभ्यास और ट्रेनिंग प्रोग्रामों पर खुशी जाहिर की। एक अधिकारी ने बताया कि ट्रेनिंग प्रोग्रामों के आदान-प्रदान को रक्षा सहयोग का एक अहम हिस्सा माना गया है। इससे दोनों देशों की रक्षा प्रणालियों को समझने और रक्षा संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने मेक इन इंडिया और मेक इन एमिरेट्स जैसी योजनाओं पर भी ध्यान देने की बात कही। भारत और यूएई, फ्रांस के साथ मिलकर भी काम कर रहे हैं। तीनों देशों ने 2022 में एक त्रिपक्षीय ढांचा शुरू किया था। इसमें रक्षा, टेक्नोलॉजी, ऊर्जा और पर्यावरण जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

बता दें आकाश मिसाइल 25 किलोमीटर की दूरी तक दुश्मन के विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को मार सकती है।

भारत सरकार आकाश मिसाइल सिस्टम, पिनाका मल्टी-लॉन्च रॉकेट सिस्टम और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल जैसे हथियारों को मित्र देशों को बेचना चाहता है। खासकर खाड़ी और आसियान देशों को। भारत पहले ही फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलें बेच चुका है। आर्मेनिया, आकाश, पिनाका और 155एमएम तोपों का पहला विदेशी ग्राहक बन गया है।

हर रोज बढ़ रहा वैश्विक अस्थिरता, इससे निपटने का उपाय है द्विपक्षीय समझौते

वित्तमंत्री सीतारमण ने लंदन में एक कार्यक्रम में किया खुलासा

नई दिल्ली।

भारत के खिलाफ ट्रंप ने 26 फीसदी टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने अपने सबसे करीबी देशों ब्रिटेन, कनाडा और यूरोपीय संघ, इजराइल को भी राहत नहीं दी है। ऐसे में दुनिया में एक तरह से हाहाकार मचा है। दुनिया भर के शेयर बाजारों में बीते कुछ दिनों से लगातार गिरावट का दौर जारी है। कई जानकार आने वाले वक्त में वैश्विक मंदी की आशंका जता रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि भारत अभी वेट एंड वॉच की रणनीति पर चल रहा है। वह देख रहा है कि ट्रंप का टैरिफ वार किस दिशा में जा रहा है। वह बहुत संयमित प्रतिक्रिया दे रहा है, सरकार हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठी है। वह अभी इस पर मंथन क रही है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि मौजूदा दुनिया मल्टीपोलर और बिखरी हुई है। ऐसे में अलग-अलग देश द्विपक्षीय समझौतों की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता आगे बढ़ रहा है। उम्मीद है कि इसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने इस बात से इनकार किया कि ऐसा डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के कारण किया जा रहा है।

वित्त मंत्री सीतरमण 13वें इंडिया-यूके इकोनॉमिक एंड फाइनेंशियल डायलॉग में भाग लेने लंदन गई हैं। उन्होंने कहा कि हर रोज वैश्विक अस्थिरता में बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में कोई भी देश अपनी नीति में इस बदलती दुनिया की जरूरतों को पूरा नहीं कर पाएगा।

इसका एक ही उपाय है द्विपक्षीय समझौते। बातचीत से ही आगे बढ़ा जा सकता है। जब आप द्विपक्षीय समझौतों की ओर बढ़ते हैं तो किसी गुट या ब्लॉक का कोई मतलब नहीं रह जाता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका : 14 जून को भव्य सैन्य परेड आयोजित करने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार इस गर्मी में वाशिंगटन में एक भव्य सैन्य परेड आयोजित करने के बारे में चर्चाएं कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह एक पुराना सपना रहा है। वॉशिंगटन डीसी के मेयर म्यूरियल बाउजर ने सोमवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने वाशिंगटन से बात की है और 14 जून को वर्जीनिया के अरलिंगटन से वॉशिंगटन तक एक परेड आयोजित करने की योजना बनाई है। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, सेना अपनी स्थापना को 250 साल पूरे होने के मौके पर 14 जून को आयोजित होने वाले महोत्सव में एक परेड जोड़ने पर विचार कर रही है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि चर्चाएं अभी शुरुआती चरण में हैं और कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। 14 जून को ट्रंप का 79वां जन्मदिन भी है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि कोई सैन्य परेड तय नहीं की गई है।

ज्वालामुखी फटने से चार किलोमीटर इलाके में फैली राख

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में एक अशांत ज्वालामुखी के फटने से चार किलोमीटर इलाके में राख फैल गई। इसके चलते प्रशासन को स्कूल बंद करने का आदेश देना पड़ा। हालांकि ज्वालामुखी फटने से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ज्वालामुखी विस्फोट फिलीपींस के अशांत माउंट कानलोन ज्वालामुखी में हुआ। इससे पहले बीते साल दिसंबर में भी इस ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ था, जिसके चलते इसके आसपास रहने वाले हजारों लोगों को वहां से निकालना पड़ा था। अब फिर से ज्वालामुखी के फटने पर प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और ज्वालामुखी के आसपास के छह किलोमीटर इलाके में न जाने की सलाह दी है।

अमेरिका के विदेश मंत्री ने पाकिस्तानी समकक्ष से की बात, अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियारों पर चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अफगानिस्तान से 2021 में पूर्ण वापसी के दौरान छोड़े गए अमेरिकी सैन्य उपकरणों को लेकर पाकिस्तान से बात की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, रूबियो ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से एक फोन पर बातचीत की। रुबियो और डार के बीच हुई इस बातचीत में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा, और आर्थिक सहयोग पर चर्चा की गई। इस दौरान डार ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई और व्यापार, निवेश और आतंकवाद-रोधी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। रुबियो ने कहा कि अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी सैन्य उपकरणों के मुद्दे को हल करने की आवश्यकता पर है। उन्होंने कहा कि भविष्य में दोनों देशों के संबंधों में व्यापार और निवेश एक प्रमुख बिंदु होंगे, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में।

अमेरिका में फिर हादसा ; रनवे से फिसलकर पानी में जा गिरा कॉरपोरेट विमान, बाल-बाल बचे लोग

नॉर्थ बेंड (ओरेगन), एजेंसी। अमेरिका में एक और विमान हादसे का शिकार हो गया। गनीमत रही कि विमान में सवार यात्रियों की जान बच गई। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को दक्षिणी ओरेगन में एक छोटा कॉरपोरेट विमान रनवे से फिसलकर पानी में जा गिरा। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। सोशल मीडिया पर पोस्ट में एयरपोर्ट ने बताया कि विमान साउथवेस्ट ओरेगन रीजनल एयरपोर्ट के नॉर्थ बेंड में रनवे से फिसल गया और कूस बे में जा गिरा। हादसा सोमवार सुबह 6 :15 बजे हुआ। एयरपोर्ट ने बताया कि विमान में सवार पायलट और चार यात्रियों को बचा लिया गया है, उन्हें अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल सभी की हालत स्थिर है। एयरपोर्ट ने बताया कि सोमवार शाम को दो लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एक को भर्ती कराया गया है, जबकि दूसरे की अभी भी जांच की जा रही है। बताया गया कि पांचवें व्यक्ति को आगे के इलाज के लिए इलाके से बाहर अच्छे अस्पताल में भेज दिया गया है। एयरपोर्ट ने बताया कि 2019 होंडा एचए-420 को नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद पानी से निकाला गया। विमान सेंट जॉर्ज, यूटा से ओरेगन आ रहा था।

इस्राइल पर पत्रकार की हत्या का आरोप, गाजा में अस्पताल के बाहर हुआ हमला

येरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया बीते डेढ़ साल से अधिक समय से अशांति की मार झेल रहा है। इस्राइल पर मीडिया सेंटर पर हमला कर पत्रकार की हत्या करने का आरोप लगा है। इस्राइल ने गाजा पट्टी में दो प्रमुख अस्पतालों के बाहर टेंटों पर रात भर हमला किया, जिसमें एक स्थानीय रिपोर्टर सहित दो लोगों की मौत हो गई और छह रिपोर्टरों सहित नौ अन्य घायल हो गए। अस्पतालों के अनुसार, पूरे क्षेत्र में अलग-अलग हमलों में 15 अन्य लोग भी मारे गए। खान यूनिस में नासिर अस्पताल के बाहर इस्राइली सेना ने मीडिया टेंट पर हमले में फलस्तीन टुडे के रिपोर्टर यूसुफ अल-फकावी की मौत हुई। हमले में छह रिपोर्टर घायल हो गए। इस्राइली सेना ने कहा, उसने हमास के एक लड़ाके पर हमला किया, लेकिन कोई और जानकारी नहीं दी। सेना ने कहा, हमास आवासीय क्षेत्रों में गहराई से घुसा हुआ है, इसलिए आम लोग चपेट में आ जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने दी चीन पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी है, जिससे कुल टैरिफ उत्पादों के मूल्य से भी अधिक हो जाएंगे। साथ ही, वे दुनिया भर के देशों पर बराबरी का टैक्स लगाने की अपनी नीति को और मजबूती दे रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर चीन ने 8 अप्रैल 2025 तक अपने 34 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि को वापस नहीं लिया, तो अमेरिका 9 अप्रैल से चीन पर 50व अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह बीजिंग के साथ शुल्कों पर किसी भी बातचीत को खत्म कर देंगे। अन्य शुल्कों के साथ मिलकर, कुल टैरिफ 104 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

अगर अमेरिका-चीन टैरिफ विवाद में कोई भी पक्ष पीछे नहीं हटा, तो आयातित उत्पादों की कीमत से अधिक शुल्क का अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बुरा असर पड़ सकता है, जो रोजमर्रा की कई चीजों के लिए चीन पर निर्भर हैं। ट्रंप का यह बयान चीन के उस ऐलान के जवाब में था, जिसमें उसने अमेरिकी आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। पारस्परिक शुल्कों में किसी भी रुकावट से इनकार करते हुए ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हम इस पर विचार नहीं कर रहे हैं।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा, मुझे इससे गुजरने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि मुझे अंत में एक खूबसूरत तस्वीर दिखाई देती है। ट्रंप की धमकियों के बीच अमेरिकी शेयर बाजारों ने पिछले हफ्ते अपनी तेज गिरावट को रोका, जिसमें नैस्डैक ने सोमवार को 0.1 प्रतिशत की मामूली बढ़त हासिल की, जबकि व्यापक एसएंडपी इंडेक्स में केवल 0.23 प्रतिशत की गिरावट आई। कुछ समय के लिए एक सकारात्मक संकेत दिखा, जब यह अफवाह थी कि पारस्परिक टैरिफों पर 90 दिन की रोक लगेगी, तब एसएंडपी 3.4 प्रतिशत ऊपर था, लेकिन व्हाइट हाउस द्वारा इसे खारिज किए जाने से पहले एसएंडपी में गिरावट आई। ट्रंप ने जोर देकर कहा, हम बहुत से देशों के साथ जबरदस्त प्रगति कर रहे हैं और जिन देशों ने वास्तव में हमारा फायदा उठाया है, वे अब कह रहे हैं, कृपया बातचीत करें। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि टोक्यो बातचीत के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। विदेश विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत में भारत पर पारस्परिक टैरिफ और निष्पक्ष और संतुलित व्यापार संबंधों की दिशा में प्रगति कैसे करें पर चर्चा की। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अमेरिका को शून्य के बदले शून्य का सौदा पेश किया, जिसमें औद्योगिक सामानों, जैसे कारों पर टैरिफ खत्म करने की पेशकश की।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, हम हमेशा एक अच्छे सौदे के लिए तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी, हम जवाबी उपायों के साथ जवाब देने के लिए भी तैयार हैं और व्यापार में बदलाव से होने वाले अप्रत्यक्ष प्रभावों से खुद को बचाने के लिए भी तैयार हैं। रिपोर्टों के अनुसार, यूरोपीय संघ दो चरणों में अपने स्वयं के पारस्परिक टैरिफ लगाएगा, एक अगले सप्ताह और दूसरा मई में। दो रिपब्लिकन सीनेटरों माइक ली और रॉन जॉनसन ने ट्रंप से एक्स पोस्ट में इस डील को स्वीकार करने का आग्रह किया। हालांकि, इजरायल के लिए कोई टैरिफ रियायत की घोषणा नहीं की गई, लेकिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल उनके देश के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे को खत्म कर देगा और सुझाव दिया कि यह अन्य देशों के लिए एक मॉडल होगा।

वेस्ट बैंक में इजरायल ने अमेरिकी मूल के किशोर को गोलियों से भूना, हत्या के बाद बता दिया आतंकी

वेस्ट बैंक, एजेंसी। इजरायली हमलों से खौफजदा वेस्ट बैंक में एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इजरायली सेना ने एक 14 वर्षीय अमेरिकी मूल के किशोर को गोलियों से भून दिया। रविवार शाम टुरमुस अय्या के पास हुई इस फायरिंग में दो और किशोर घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। हत्या के बाद इजरायली सेना ने सफाई देते हुए इन बच्चों को आतंकी करार दे दिया। उधर, फिलिस्तीनी अधिकारियों और मानवाधिकार संगठनों ने इसे एक और बिना मुकदमे की हत्या बताया है।

अमेरिका ने अब तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश भड़का सकता है। इजरायली हमले में मारे गए फिलिस्तीनी-अमेरिकी किशोर की पहचान उमर मोहम्मद सादा राबेआ के रूप में हुई है। इजरायली सेना ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने तीन आतंकवादियों पर गोली चलाई जो एक राजमार्ग पर पत्थर फेंककर वहां से गुजर रहे नागरिकों पर हमले कर रहे थे। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और इसे बिना मुकदमे के हत्या की एक कड़ी में नया मामला बताया है। अमेरिका की ओर से फिलहाल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इजरायली हमलों में हजारों फिलिस्तीनियों की हत्या 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर घातक हमले और उसके बाद गाजा में जारी युद्ध के बाद से वेस्ट बैंक में हिंसा में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। इजरायली बलों ने वेस्ट बैंक में छापेमारी और गिरफ्तारी अभियानों को तेज कर दिया है, अकेले वेस्ट बैंक में सैकड़ों फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है। ओवरऑल इजरायल गाजा और वेस्ट बैंक में 50 हजार से ज्यादा की जान ले चुका है।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को बड़ी राहत, युद्धकालीन कानून के तहत निर्वासन पर रोक लगाने वाला आदेश हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को निचली अदालत के उस आदेश को हटा दिया, जिसमें युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके वेनेजुएला प्रवासियों के निर्वासन पर रोक लगाई गई थी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि 1978 के विदेशी शत्रु अधिनियम के तहत निर्वासन के अधीन प्रवासियों को अपने निष्कासन को कानून रूप से चुनौती देने का मौका दिया जाना चाहिए। एक संघीय अदालत के न्यायाधीश ने राष्ट्रपति ट्रंप के निर्वासन वाले फैसले पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वह अब फिर से निर्वासन शुरू कर सकते हैं। शीर्ष कोर्ट का 5-4 का फैसला उन्हें ऐसा करने के लिए फिर से अनुमति देता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस कानून का उपयोग कथित वेनेजुएला गिरोह को सदस्यों को पकड़ने और उन्हें अल साल्वाडोर की जेल में भेजने के लिए किया था। अमेरिका से निर्वासित किए गए वेनेजुएलावासियों के वकीलों ने कहा कि उनके क्लाइंट वेनेजुएला के गिरोह ट्रेन डी अरागुआ के सदस्य नहीं थे, उन्होंने कोई अपराध नहीं किया। लेकिन उन्हें मुख्य रूप से उनके टैटू के आधार पर निशाना बनाया गया। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया।

शुरू हो गया आर्थिक परमाणु युद्ध, डोनाल्ड ट्रंप से नाराज हो गए अरबपति दोस्त; जमकर लताड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर के 57 देशों पर टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी एलन मस्क को निंदा का सामना करना पड़ रहा है। उनके खिलाफ अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोपीय देशों में भी प्रदर्शन हो रहे हैं। वहीं यूरोपीय यूनियन के देशों ने अमेरिका पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे दी है। डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करने वाले उनके विरोधी ही नहीं उनके समर्थक भी हैं। इसी लिस्ट में एक नाम अरबपति निवेशक बिल एकमैन का भी है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया के खिलाफ ही आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है। उन्होंने कहा कि इससे अमेरिका के व्यापारिक संबंध खराब होंगे और दोस्तों के सामने भी छवि धूमिल हो जाएगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कोई अर्थव्यवस्था के जानकार नहीं हैं इसलिए अपनी नीतियों के लिए वह सहयोगियों पर ही आंख मूंदकर यकीन करते हैं। उनकी खराब गणित की वजह से दुनिया की अर्थव्यवस्था को संकट में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कहा कि कारोबार विश्वास पर टिका होता है और डोनाल्ड ट्रंप उसी विश्वास को तारतार कर रहे हैं।

एकमैन ने कहा, राष्ट्रपति दुनियाभर में कारोबार को लेकर अपनी विश्वसनीयता खोते ही जा रहे हैं। वहीं इसका खामियाजा अमेरिका की उस जनता को भी भुगतना पड़ रहा है जिसने चुनाव में उनका समर्थन किया था। जनता ने आपको इसलिए वोट नहीं दिया था।

उन्होंने कहा कि हमारे दुश्मनों को तो छोड़िए बल्कि दोस्तों पर भी असंतुलित टैरिफ लाद दिए गए हैं जिससे डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया के खिलाफ ही आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है। जो देश निवेश और व्यापार के लिए इतना सुलभ माना जाता था उसके विश्वास को ही तहस-नहस कर दिया गया। एकमैन ने कहा, यह अर्थव्यवस्था का परमाणु युद्ध है। निवेश रुकेगा तो ग्राहक भी अपने बटुए बंद कर लेंगे। इससे अमेरिकी का छवि भी खराब होगी और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान होगा। वहीं इसके रिकवर करने में दशकों का समय लग जाएगा। उन्होंने कहा कि जब शेयर बाजार गिरता है तो ग्राहक भी निवेश रोक देते हैं। ऐसे में कारोबारियों के पास कर्मचारियों की छंटनी और निवेश को रोकने के अलावा कोई चारा ही नहीं बचता। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से बड़े ही नहीं बल्कि छोटे व्यापार भी प्रभावित होंगे। जोपीमोरगन चेज ऐंड कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेमी डिमोन ने भी डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा था कि उनकी नीतियां दुनिया को मंदी की ओर धकेल रही हैं। उन्होंने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि कई करीबी सहयोगियों के साथ भी व्यापारिक समझौते रुक गए हैं। उन्होंने सलाह दी थी की भारत जैसे देशों के साथ अमेरिका को रिश्ते बढ़ाने चाहिए और व्यापार में योगदान देना चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सीनेटर माने जाने वाले टेड क्रुज ने भी उनके खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने कहा, अगर हम मंदी की ओर जाते हैं तो राजनीत में भी खूनी खेल शुरू हो जाएगा। वहीं डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए यह एक दवाई है।

इजरायली कैद में फिलिस्तीनियों पर जुल्म की हदें पार

गाजा पट्टी, एजेंसी। गाजा पट्टी से लौटे फिलिस्तीनी नागरिकों की आंखों में आजादी की चमक तो है, लेकिन जुल्म की परछाइयां गहरी हैं। इजरायली कैद से रिहा हुए इन लोगों ने जो कहा, वो सुनकर किसी की भी रूह कांप उठेगी। इन्होंने बताया कि किसी को कपड़े उतारकर करंट दिए गए, भूखा-प्यासा रखकर कुत्तों से कटवाया गया, किसी को यौन हिंसा और अमानवीय यातनाओं का शिकार बनना पड़ा। ये वही लोग हैं जिन्हें अक्टूबर 7 के बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन इजरायल के पास उनके खिलाफ न कोई ठोस सबूत था और न ही कोई चार्जशीट। अब जब ये जिंदा वापस लौटे हैं, तो दुनिया के सामने इजरायली क्रूरता की सच्चाई सामने आ रही है।

आग और हथियारों से प्रताड़ना : गाजा से इजरायली सेना द्वारा गिरफ्तार किए गए और हाल ही में संघर्षविराम सौदे के तहत रिहा किए गए फिलिस्तीनी बंदियों ने इजरायली क्रूरता बयां की है। 36 वर्षीय मिस्त्री मोहम्मद अबू ताविलेह ने बीबीसी से बातचीत में कहा कि उन्हें तीन दिन तक एक कमरे में बंद करके रासायनिक पदार्थों से जलाया गया। उनके अनुसार, सैनिकों ने पहले सिर को केमिकल में डुबोया, फिर उनके शरीर पर एयर फ्रेशनर छिड़ककर

आग लगा दी। उन्होंने कहा, मैं जानवर की तरह तड़प रहा था, मेरी गर्दन से लेकर पैर तक आग फैल गई थी। उन्होंने आगे बताया कि सैनिकों ने उन्हें बंदूक की बट और डंडों से पीटा और शरीर पर तेजाब डाला। इलाज के लिए उन्हें इज़रायल के एक सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां वे बिना कपड़ों के हथकड़ी से बांधकर एक बिस्तर पर रखे गए और शौच के लिए डायपर दी गई। यौन उत्पीड़न और हत्या के भी आरोप अन्य बंदियों ने बताया कि उन्हें बिजली के झटके दिए गए, भूखा-प्यासा रखा गया, कुत्तों से कटाया गया और घंटों तक यातनापूर्ण पोजीशन में बैठने के लिए मजबूर किया गया। 44 वर्षीय हमद अल-दहदोह ने बताया कि पीटने के दौरान उनकी पसलियां टूट गईं और कान व रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचा। एक बंदी ने बताया कि उसने हिरासत में यौन हिंसा होते देखी। कुछ ने यह भी कहा कि उन्होंने अन्य बंदियों की मौत होते देखी। आरोपों पर इजरायली सेना इजरायल डिफेंस फोर्स ने कहा कि वह किसी भी प्रकार के व्यवस्थित दुरुपयोग को खारिज करता है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों की जांच की जाएगी, लेकिन अधिकांश आरोपों में पहचान या पर्याप्त विवरण नहीं हैं। इजरायली जेल प्रशासन ने भी कहा कि उन्हें इन आरोपों की कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि यह सब उस समय सामने आ रहा है जब 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर हमला किए जाने और 1200 लोगों की हत्या के बाद, वेस्ट बैंक और गाजा में इजरायली ऑपरेशन तेज हो गए हैं। इसके बाद 50 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों की जान ले ली गई और बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया, इनमें से कई को बिना किसी आरोप के महीनों तक हिरासत में रखने का भी आरोप है।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति चुनाव का एलान, महाभियोग के जरिए येओल को पद से हटाए जाने के बाद फैसला

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने नया राष्ट्रपति चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देश में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल की जगह लेने के लिए 3 जून को राष्ट्रपति चुनाव कराया जाएगा। देश के कार्यवाहक नेता हान डक-सू ने मंगलवार को घोषणा की कि हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति यून की जगह लेने के लिए 3 जून को समयपूर्व राष्ट्रपति चुनाव होंगे। यह घोषणा संवैधानिक न्यायालय की ओर से यून सुक येओल को दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के दुर्भाग्यपूर्ण मामले में पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद की गई।

3 जून के चुनाव में दो प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। यून की रूढ़िवादी पीपुल्स पावर पार्टी और इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच यह रोचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। देखना होगा कि क्या रूढ़िवादी फिर से संगठित हो सकते हैं और संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ली जे-म्यांग को चुनौती देने के लिए एक मजबूत उम्मीदवार को मैदान में उतार सकते हैं? सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के लिए सत्ता में बने रहना एक कठिन लड़ाई होगी, क्योंकि वह जनता का विश्वास बहाल करने और यून के मार्शल लॉ स्टंट से उपजे गंभीर आंतरिक फूट को ठीक करने के लिए संघर्ष कर रही है।

सर्वेक्षणों में विपक्ष को बढ़त के आसार : विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चला है कि विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग, देश का अगला राष्ट्रपति बनने की रेस में सबसे आगे हैं। जब संवैधानिक अदालत ने यून सुक योल को राष्ट्रपति पद से हटाने का फैसला सुनाया तो उस वक्त राजधानी सियोल में यून सुक योल के खिलाफ एक रैली आयोजित हो रही थी। जैसे ही अदालत ने यून सुक योल को पद से हटाने का फैसला सुनाया तो रैली में लोग खुशी से झूम उठे और नाचने लगे।

पूरे मामले को समझिए : यून सुक येओल ने बीते साल 3 दिसंबर को देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था और सैंकड़ों सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को नेशनल असेंबली भेज दिया था। यून सुक योल ने तर्क दिया कि उन्होंने सिर्फ सदन में व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसा किया था, लेकिन जांच के दौरान सैन्य अधिकारियों ने बताया कि यून ने उन्हें विपक्षी सांसदों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया था, ताकि वे यून के आदेश के खिलाफ मतदान न कर सकें। हालांकि, विपक्षी सांसद किसी तरह सफल रहे और उन्होंने योल के आदेश के खिलाफ मतदान कर उसे रद्द करा दिया।

ट्रंप और नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में गाजा बंधकों और टैरिफ पर चर्चा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस में मुलाकात की। इस मुलाकात में गाजा बंधक संकट और इजरायली वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ पर चर्चा हुई। सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान, ट्रंप ने गाजा में बंधकों की रिहाई को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने चल रही वार्ताओं के बारे में आशा व्यक्त की, लेकिन कोई विशिष्ट विवरण नहीं दिया। ट्रंप ने कहा, हम प्रगति कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि हम जल्द ही सभी बंधकों को घर वापस ले आएंगे। नेतन्याहू ने इस पर सहमति जताते हुए बंधकों की आजादी सुनिश्चित करने के लिए इजरायल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने इजरायल और हमास के बीच अस्थिर युद्ध विराम पर भी बात की। हालांकि उन्होंने किसी नए समझौते की घोषणा नहीं की, लेकिन दोनों ने क्षेत्र में हिंसा को कम करने के महत्व पर जोर दिया। ट्रंप ने हाल ही में इजरायल से आयात पर 17 प्रतिशत टैरिफ लगाने का बचाव किया, जो उनकी व्यापक व्यापार नीति का हिस्सा है और कई अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है। नेतन्याहू ने कथित तौर पर इन शुल्कों से राहत मांगी, तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने के इजरायल के प्रयासों पर प्रकाश

डाला। 2024 में, दोनों देशों के बीच कुल वस्तु व्यापार 37.0 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जिसमें इजरायल को अमेरिकी निर्यात 14.8 बिलियन डॉलर और इजरायल से आयात 22.2 बिलियन डॉलर होगा, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका का व्यापार घाटा 7.4 बिलियन डॉलर होगा। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, नेतन्याहू की व्हाइट हाउस यात्रा की व्यवस्था पिछले गुरुवार को दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत के दौरान की गई थी, जब नेतन्याहू ने टैरिफ का मुद्दा उठाया था। व्हाइट हाउस ने शुरू में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की योजना बनाई थी, लेकिन बिना किसी स्पष्टीकरण के इसे रद्द कर दिया गया। इसके बजाय, पत्रकारों ने ओवल ऑफिस मीटिंग में सवाल पूछे। ट्रंप ने इस बैठक के दौरान गाजा के पुनर्विकास के लिए किसी दीर्घकालिक योजना पर चर्चा नहीं की। उनके प्रशासन ने पहले भी इस क्षेत्र के लिए विवादास्पद विचार प्रस्तावित किए हैं, जिनकी विभिन्न समूहों द्वारा आलोचना की गई है। बैठक में संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल के बीच जटिल संबंधों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें सुरक्षा चिंताओं और आर्थिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने इन मुद्दों पर मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शादीशुदा महिला की संदिग्ध मौत का मामला

सूरत में दो साल पहले दर्ज आत्महत्या के मामले में नया मोड़,पति समेत ससुरालवालों पर हत्या का केस दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में दो साल पहले एक महिला की आत्महत्या के तौर पर दर्ज किए गए मामले में अब नया खुलासा हुआ है। जांच के दौरान सामने आया कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि एक साज़िश के तहत की गई हत्या थी। महिला के पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर अब हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस मामले की दोबारा जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में दो साल पहले एक शादीशुदा महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया था। उस वक्त इस मामले में पूरी जांच की गई थी और पुलिस ने इसे आत्महत्या मानते हुए जांच पूरी कर दी थी।

हालांकि अब इस मामले में नया मोड़ आया है। मृतका के मूल उत्तर प्रदेश निवासी परिजनों की कोर्ट में अपील के बाद कोर्ट के आदेश पर मृतका के पति समेत ससुरालवालों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या? परिजनों के आरोपों के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज उत्तर प्रदेश के बांदा जिले की मूल निवासी ममता उर्फ बदमियां बेला (निवासी - गोवर्धन नगर, पांडेसरा, सूरत) की शादी दो साल पहले सूरत के देवशरण बेला से हुई थी। शादी के बाद ममता पांडेसरा इलाके में अपने पति, सास रानी बेला, ससुर शिवराज बेला, देवर रघुनंदन बेला, हरीशरण बेला और गीता रघुनंदन बेला के साथ रह रही थी।

22 अगस्त 2023 की शाम को गोवर्धन नगर स्थित मकान नंबर 35 में ममता उर्फ बदमियां फांसी के फंदे पर लटकी हुई हालत में पाई गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही पांडेसरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। इसके बाद पुलिस ने इसे आत्महत्या मानते हुए जांच पूरी कर दी थी।

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप — हत्या कर आत्महत्या का रूप देने की साजिश

दूसरी ओर, ममता के मूल निवास उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के परिजनों का कहना है कि उनकी बेटी के साथ उसके पति और ससुराल वाले मारपीट करते थे। ससुराल में अत्याचार से परेशान ममता की हत्या कर दी गई और बाद में उसे आत्महत्या का रूप दिया गया।

परिजनों ने उत्तर प्रदेश के बांदा पुलिस थाने में आवेदन देने के बाद, बांदा कोर्ट के आदेश पर पति देवशरण बेला सहित सभी ससुराल वालों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 समेत अन्य गंभीर धाराओं में हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

पांडेसरा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की

बांदा पुलिस थाने से यह शिकायत ज़ीरो नंबर के जरिए पांडेसरा पुलिस थाने में ट्रांसफर कर भेजी गई है। पांडेसरा पुलिस स्टेशन के पीआई एच.एम. गढ़वी ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है और ममता की मौत के पीछे की सच्चाई को उजागर करने की दिशा में जांच शुरू कर दी गई है।

ड्यूटी में लापरवाही बरतने के चलते तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी सिविल अस्पताल से एक बंदी के फरार होने की घटना के बाद कार्रवाई की गई है। ड्यूटी में लापरवाही बरतने के चलते तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, बंदी को इलाज के लिए नवसारी सिविल अस्पताल लाया गया था, जहां से वह पुलिस की निगरानी में होने के बावजूद फरार हो गया। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए संबंधित तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच जारी है और फरार बंदी की तलाश भी तेजी से की जा रही है।

नवसारी सिविल अस्पताल से POCSO केस का आरोपी फरार होने की घटना में बड़ी कार्रवाई की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है।

वलसाड के पारडी इलाके में नाबालिग के अपहरण और बलात्कार के आरोपी आनंद उर्फ करिया कल्लू सरोज (उम्र 20 वर्ष) को नवसारी सब-जेल में रखा गया था।

2 अप्रैल की शाम को उसने सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उसे सिविल अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थित प्रिज़नर वार्ड में भर्ती कराया गया। रात करीब 1 बजे एक कॉन्स्टेबल बाथरूम गया था और दो अन्य पुलिसकर्मी घर चले गए थे। इसी मौके का फायदा उठाकर आरोपी ने पलंग से लॉक की गई हथकड़ी से अपना हाथ छुड़ा लिया और फरार हो गया।

इस घटना को लेकर टाउन पुलिस स्टेशन में आरोपी आनंद सरोज के खिलाफ और ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जिला पुलिस अधीक्षक सुशील अग्रवाल ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए हेड कॉन्स्टेबल अर्जुनसिंह ककलदान, कॉन्स्टेबल चेतनभाई साजनभाई और हरपालसिंह नारसिंह को सस्पेंड कर दिया है।

सूरत की लाजपोर जेल बनी शिक्षा का मंदिर

बंदी शिक्षक ने बंदी छात्रों को पढ़ाकर दिलाया 100% रिजल्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की लाजपोर जेल अब केवल सज़ा का ठिकाना नहीं रही, बल्कि शिक्षा का एक प्रेरणादायक केंद्र बन चुकी है। यहां एक बंदी, जो खुद शिक्षक है, ने जेल में ही अन्य बंदियों को पढ़ाया और उनकी मेहनत से 100% परीक्षा परिणाम हासिल किया।

जेल में पढ़ने का माहौल इतना मजबूत बन गया है कि हर महीने 2000 से भी ज्यादा किताबें पढ़ी जा रही हैं। यह पहल न केवल बंदियों के पुनर्व में मददगार है, बल्कि समाज में भी सकारात्मक संदेश दे रही है।

आज जब गुजरात शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, तब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि गुजरात का कोई भी नागरिक शिक्षा से वंचित न रहे। इसी तरह, कैदी भी शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहें, इसके लिए गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी के नेतृत्व में जेलों में बंदियों को शिक्षा प्रदान करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

सूरत स्थित लाजपोर केंद्रीय जेल में उन सजायाफ्ता कैदियों के लिए, जो पढ़ाई की जिज्ञासा रखते हैं, 'महात्मा गांधी विद्यालय' की स्थापना की गई है। इस जेल में अब तक कुल 267 अशिक्षित बंदियों को बंदी शिक्षक द्वारा अक्षरज्ञान देकर साक्षर बनाया गया है। साथ ही, जेल में रह रहे तनावग्रस्त और मानसिक रूप से सहारे की आवश्यकता रखने वाले 16 निरक्षर बंदियों का काउंसलिंग कर, उन्हें भी बंदी शिक्षक द्वारा शिक्षा देकर साक्षर बनाया गया है। वर्ष 2023-24 में कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम 100% रहा

महात्मा गांधी विद्यालय में सजायाफ्ता कैदियों को गुणवत्तापूर्ण और स्मार्ट शिक्षा मिल सके, इसके लिए वर्ष 2024 में एल एंड टी कंपनी के सहयोग से 18 लाख की लागत से "डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम" तैयार किया गया। इस डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम का उद्घाटन गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी द्वारा किया गया था।

इस जेल में वर्ष 2024-25 के दौरान कक्षा 10वीं के 16, कक्षा 12वीं के 9 और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के सर्टिफिकेट कोर्स में 32 बंदियों ने मिलकर कुल 57 बंदियों ने अध्ययन पूर्ण किया।

इस जेल स्कूल में वर्ष 2022-23 और 2023-24 में कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा का परिणाम 100% रहा है।

हर महीने 2000 से अधिक किताबें पढ़ते हैं कैदी इस विद्यालय में बंदी भाई-बहनों के सर्वांगीण विकास और मानसिक गठन में सहायक बनने के उद्देश्य से पुरुष और महिला विभागों के लिए अलग-अलग लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

लाइब्रेरी विभाग में कैदियों को पुस्तकें इश्यू करने के लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर भी तैयार किया गया है, जिसमें यह रिकॉर्ड रखा जाता है कि कौन-से बंदी किस प्रकार की किताबें पढ़ते हैं।

विद्यालय की लाइब्रेरी में कुल 18,000 से अधिक पुस्तकें और 864 मैगज़ीन उपलब्ध हैं। इसके अलावा, ऐसे अनपढ़, निरक्षर और वृद्ध बंदियों के लिए, जो पढ़ नहीं सकते, जेल में ऑडियो लाइब्रेरी सिस्टम की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

पिछले दो वर्षों में कुल 2,062 बंदियों ने इस ऑडियो लाइब्रेरी सिस्टम का लाभ लिया है। उल्लेखनीय है कि हर महीने लगभग 2,200 से 2,500 पुस्तकों का औसतन पठन बंदियों द्वारा किया जाता है।

सूरत में 118 हीरा कारीगरों को जहरीली दवा के असर असमाजिक तत्व ने पानी में सेल्फोस की दवा की गोली डाली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 118 हीरा कारीगरों को जहरीली दवा के असर की घटना सामने आई है। यह घटना कापोद्रा क्षेत्र के मिलेनियम कॉम्प्लेक्स में स्थित "अनभ जेम्स" नामक कारखाने में हुई।

इस फैक्ट्री में करीब हीरा कारीगर काम करते हैं, जिनमें से 118 की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी कारीगरों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि पीने के पानी के फिल्टर प्लांट में किसी असामाजिक तत्व ने सेल्फोस नाम की दवा (जो अनाज को कीटों से बचाने के लिए इस्तेमाल होती है) की गोली डाल दी थी।

इस गंभीर मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और जिम्मेदार व्यक्ति की तलाश की जा रही है।

असमाजिक तत्व ने पानी में सेल्फोस की दवा की गोली डाली

इस मामले में डीसीपी आलोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आज कापोद्रा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के मिलेनियम कॉम्प्लेक्स में स्थित "अनभ जेम्स" नामक कंपनी में सुबह एक घटना घटी, जिसमें पानी की टंकी में किसी असामाजिक तत्व ने सेल्फोस दवा की गोली डाल दी थी।

जब कारीगरों ने तबीयत बिगड़ने की शिकायत की, तो उन्होंने इसकी जानकारी तुरंत मालिक को दी। मालिक ने सतर्कता बरतते हुए सभी कारीगरों को तत्काल अस्पताल भेजा।

इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है और सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए जा रहे हैं। आरोपी की पहचान के बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कापोद्रा की डायमंड फैक्ट्री के 50 से अधिक रत्न कारीगरों को ज़हरीली दवा के असर से किरण अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुलभाई पानसेरिया सुबह 9 बजे किरण अस्पताल पहुंचकर उपचार ले रहे प्रभावित रत्न कारीगरों का हालचाल जानने के लिए मुलाकात करेंगे।

तापी जिले के निजर तालुका में खनिज माफियाओं का आतंक

प्रांत कार्यालय के क्लर्क को रेत माफियाओं ने पाइप से मारने की धमकी दी, ट्रक लेकर फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

तापी जिले के निजर तालुका में खनिज माफियाओं का दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। ताजा मामले में प्रांत कार्यालय में कार्यरत एक क्लर्क को रेत माफियाओं ने पाइप से मारने की धमकी दी और अवैध रेत से भरा ट्रक लेकर फरार हो गए।

इस घटना से प्रशासनिक अमले में खलबली मच गई है। बताया जा रहा है कि यह क्लर्क क्षेत्र में अवैध रेत खनन पर नजर रखे हुए था, जिससे नाराज होकर माफियाओं ने उसे धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार ट्रक व आरोपियों की तलाश जारी है।

तापी जिले के निजर तालुका में खनिज माफियाओं की गुंडागर्दी सामने आई है। निजर तालुका के कावठा गांव की सीमा में स्थित अल्पेश पंचाल की लीज से अवैध रूप से ओवरलोड रेत भरकर जा रहे माफियाओं ने प्रांत कार्यालय के क्लर्क को धमकी दी थी।

जब प्रांत कार्यालय के कर्मचारी कार्रवाई के लिए निकले थे, तभी यह घटना घटी। ट्रक चालक और अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने क्लर्क को पाइप से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद वे ओवरलोड रेत से भरा ट्रक लेकर फरार हो गए।

अकाउंटेंट के फ्लैट पर इको सेल की रेड

फर्जी बिल बनाने का सामान,नकद राशि और विदेशी शराब की बोतलें मिलने से पुलिस हुई हैरान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक अकाउंटेंट के फ्लैट पर इकोनॉमिक सेल (इको सेल) द्वारा छापेमारी की गई। छापे के दौरान पुलिस को वहां से फर्जी बिल बनाने का साहित्य, बड़ी मात्रा में नकद रकम और विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं।

यह सब देखकर पुलिस भी चौंक उठी। अब मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की जांच शुरू कर दी गई है और अकाउंटिंग से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

सूरत शहर में जीएसटी फर्जी बिलिंग के खिलाफ अब इको सेल द्वारा बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। शहर की इको सेल पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वेसु इलाके में एक फिल्मी अंदाज़ में फ्लैट में घुसकर छापा मारा, जहां एक अकाउंटेंट के घर से फर्जी बिल तैयार करने के कई सबूत, लाखों रुपये नकद और महंगी विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं।

सूरत के वीआईपी नहर रोड पर स्थित भव्य और आधुनिक इमारत 'ड्रीम पैलेस' के फ्लैट नंबर B/1002 में रहने वाले अकाउंटेंट निहाल गोपाल खेमका के घर में इको सेल की टीम ने अचानक छापा मारा। जब पुलिस ने दस्तावेज़ खंगालने शुरू किए, तो एक के बाद एक चौंकाने वाले कथित सबूत सामने आए, जिसे देख पुलिस भी हैरान रह गई।

जब पुलिस ने फ्लैट के एक कमरे में अलमारी खोलकर तलाशी शुरू की, तो अंदर से एक कपड़े की थैली मिली, जिसमें 500 के 16 बंडल और 200 के 11 बंडल बरामद हुए। कुल नकद राशि लगभग 10,20,000 मिली।

अलग-अलग नामों से टाइप किए गए चौंकाने वाले दस्तावेज भी मिले पुलिस ने आगे जांच करते हुए अलमारी से चार ऐसे दस्तावेज बरामद किए, जो अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर टाइप किए गए थे। इनमें अवैध हिसाब-किताब, रेट, चार्ज, दिनांक, टी.डी.एस. आदि की जानकारी दर्ज थी।

इन दस्तावेजों से यह स्पष्ट होता है कि फर्जी बिलिंग का पूरा नेटवर्क किस तरह से संचालित किया जा रहा था।

महंगी विदेशी शराब की बोतलें भी फ्लैट से बरामद

फ्लैट के अंदर और गहराई से जांच करने पर अलमारी के ऊपर वाले खांचे से अलग-अलग ब्रांड की महंगी विदेशी शराब की लगभग 9 बोतलें मिलीं। इनमें जैक डेनियल्स, ब्लैक लेबल जैसे महंगे ब्रांड शामिल थे, जिनकी बाजार कीमत लगभग 39,385 आंकी गई है।

आरोपी के पास शराब रखने का कोई लाइसेंस या परमिट नहीं था, इसलिए उसके खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत भी एक अलग मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी निहाल खेमका सूरत के रिंग रोड स्थित जश टेक्सटाइल मार्केट की ऑफिस नंबर 4001 में अकाउंटिंग का काम भी करता था। जब पुलिस ने वहां छापा मारा तो वहां से अलग-अलग व्यक्तियों के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, साइन किए हुए कोरे चेकबुक और लगभग 57 अलग-अलग फर्मों की मुहरें बरामद हुईं।

पुलिस ने ऑफिस से बरामद Lenovo, HP और Sony कंपनियों के लैपटॉप की साइबर एक्सपर्ट की मदद से जांच की। जांच में इन लैपटॉप्स से जीएसटी फर्जी बिलिंग से जुड़ा डेटा, एक्सेल शीट्स और "Tally" नाम का अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर इंस्टॉल मिला।

इनमें कई संदिग्ध गतिविधियों के सबूत भी मिले हैं, जो फर्जीवाड़े की पुष्टि करते हैं।

पुलिस ने आगे की जांच शुरू की आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब आरोपी की अन्य संपत्तियों, अतिरिक्त दस्तावेजों, फर्जी बिल बनाने की प्रक्रिया और इस घोटाले में शामिल अन्य लोगों की भी जांच कर रही है।